RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 64 ता. 30 अगस्त 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

पॉक्सो एक्ट के तहत पीड़िता को बयान के लिए बार-बार कोर्ट नहीं बुलाया जाए

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पॉक्सो एक्ट के तहत सेक्सुअल ऑफेंस की पीड़िता को बयान के लिए बार-बार कोर्ट नहीं बुलाया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि इस एक्ट का उद्देश्य इससे प्रभावित होगा। जो बच्चा सेक्सुअल ऑफेंस जैसी घटना के ट्रॉमा से गुजरा है, तब बार-बार उसी घटना के बारे में बयान के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की उस अर्जी को खारिज किया, जिसमें आरोपी ने पॉक्सो एक्ट की पीड़ित को जिरह के लिए कोर्ट में बुलाए जाने की गुहार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धुलिया की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि एक बार आरोपी (बचाव पक्ष) को पीड़ित से जिरह के लिए पर्याप्त मौका दिया गया है। मौजूदा मामले में पीड़ित के साथ काफी लंबी जिरह की जा चुकी है और यह जिरह दो बार हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट की धारा-33 (5) के मुताबिक स्पेशल कोर्ट की ड्यूटी है कि वह इस बात को सुनिश्चित करे कि चाइल्ड विक्टिम को कोर्ट के लिए बार-बार ना बुलाया जाए। यह मामला ओडिशा का है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो का केस दर्ज है। आरोपी के खिलाफ उड़ीसा के नयागढ़ जिले में स्थित स्पेशल कोर्ट में केस चल रहा है। उसके खिलाफ रेप और पॉक्सो से संबंधित धाराओं के तहत मामला पेंडिंग है। पुलिस के मुताबिक, 30 अगस्त 2020 को याचिकाकर्ता ने पीड़ित लड़की का अपहरण किया। घटना के वक्त लड़की नाबालिग थी। फिर वह पीड़िता को गांव ले गया और आरोपी ने गांव के मंदिर में लड़की से शादी की। शादी के बाद लड़की को शहर ले गया। करीब 7-8 दिन वह लड़की के साथ रहा, तभी पीड़िता के साथ जबरन संबंध बनाए। बाद में 18 नवंबर 2020 को लड़की को वहां से बचाया गया। इसके बाद उसका मैजिस्ट्रेट के साने बयान दर्ज हुआ और मेडिकल कराया गया।

बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा। हाई कोर्ट ने पहलवानों के आरोपों के मामले में दायर सिंह की याचिका पर फिलहाल सुनवाई से इंकार किया। गुरुवार को हाईकोर्ट ने कहा कि उन्होंने अपने खिलाफ आरोप तय करने के आदेश और कार्यवाही को चुनौती देने के लिए एक ही याचिका क्यों दायर की है? सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में दर्ज एफआईआर और आरोपों को रद्द करने की मांग की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका पर जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने सांसद सिंह से पूछा कि उन्होंने अपने खिलाफ आरोप तय करने के आदेश और कार्यवाही को चुनौती देने के लिए एक ही याचिका क्यों दायर की है? जज ने कहा, हर चीज पर एक सर्वव्यापी आदेश नहीं हो सकता। दिल्ली हाई कोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में दर्ज प्राथमिकी और आरोप रद्द करने का अनुरोध वाली दलीलों पर नोट दाखिल करने का समय दिया है। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 26 सितंबर तय की है।

बुलेट ट्रेन का सपना जल्द होगा पूरा, एक घंटे में दिल्ली से पहुंच जाएंगे बिहार

-चीन ने भी किया सुपर बुलेट ट्रेन का ट्रायल, रफ्तार 1000 किमी प्रतिघंटा

नई दिल्ली। भारत में वंदे भारत ट्रेन देश के कई हिस्सों में दौड़ रही है। भारतीय रेलवे इसका विस्तार कर रहा है। दूसरी तरफ, हाई-स्पीड प्रोजेक्ट पर भी काम जारी है। अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का सपना कुछ महीनों में साकार हो जाएगा। बुलेट ट्रेन 250 से 300 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी ऐसी संभावना जताई जा रही है। सरकार की देश के अन्य हिस्सों में भी बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है। भारत के साथ ही दुनिया के अन्य देशों में भी हाई-स्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। चीन ने हाल ही में सुपर बुलेट ट्रेन का ट्रायल किया है। इस ट्रेन की रफ्तार 1000 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। चीन में इसे हाई-स्पीड फ्लाइंग ट्रेन के नाम से जाना जाने लगा है। अल्ट्रा हाई-स्पीड ट्रेन को लो-वैक्यूम ट्यूब मैग्लेव ट्रांसपोर्ट सिस्टम के तहत डेवलप किया गया है। ट्रायल रन में यह ट्रेन 1000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने में सफल रही। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल रन से पूरे सिस्टम की दक्षता के बारे में भी पता चल गया है। प्रोजेक्ट तकनीकी तौर पर सक्षम और दुरुस्त है। रिपोर्ट की मानें तो हाई-स्पीड फ्लाइंग ट्रेन को देश के बड़े शहरों के बीच चलाने की योजना है, ताकि यात्रा का समय कम किया जा सके। सबसे पहले इस ट्रेन को बीजिंग और शंघाई के बीच चलाने की योजना है। अल्ट्रा हाई-स्पीड मैग्लेव ट्रेन से इन दोनों शहरों के बीच की दूरी 90 मिनट में तय की जा सकेगी। बता दें कि बीजिंग से शंघाई के बीच की दूरी 1214 किलोमीटर है। अल्ट्रा हाई-स्पीड ट्रेन भारत में चलने लगे तो कई शहरों की दूरियां घंटों की बजाय मिनटों में तय हो सकेंगी। दिल्ली से पटना की दूरी 1 घंटे में तो दिल्ली से हावड़ा की यात्रा डेढ़ घंटे में तय हो जाएगी। बता दें कि दिल्ली-हावड़ा रूट पर बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है। फिलहाल अहमदाबाद से मुंबई के बीच हाई-स्पीड ट्रेन चलाने की परियोजना पर काम चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने घुसपैठ विरोधी अभियान में तीन आतंकी किए ढेर

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को घुसपै ठिए विरोधी अभियान में सेना ने तीन आतंकवादी मार गिराए हैं। एक आतंकवादी को तंगधार, जबकि अन्य दो को मच्छल जिले में ढेर किए जाने की संभावना है। अब तक इन आतं कियों के शव बरामद नहीं हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुपवाड़ा में सेना और पुलिस ने मिलकर घुसपैठ विरोधी अभियान चला रही है। यह अभियान 28-29 अगस्त की दरमियानी रात को टंगधार इलाके में शुरू किया गया था। भारतीय सेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि आतंकवादी घुसपैठ करने की को शिश में हैं। घुसपैठ की आशंकाओं के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर घुसपैठ विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 28 अगस्त को रात 9:30 बजे गांव खेरी मोहरा लाठी और दंथल इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा, कि तलाशी अभियान के दौरान 28 अगस्त को रात करीब 11:45 बजे आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित हुआ और खेरी मोहरा इलाके के पास आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। इससे पहले बुधवार को सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने 16 कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा के साथ सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर अग्रिम इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्हें इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों के बीच तालमेल और अभियान संबंधी तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। सेना कमांडर ने फॉर्मेशन की सहायक इकाइयों का भी दौरा किया और सभी रैंकों को व्यापक अभियान संबंधी तत्परता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

पीएम मोदी पर टिप्पणी.........शशि थरूर को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणी मामले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर की गई कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता थरूर के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इंकार किया।

न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने मानहानि की कार्यवाही को चुनौती देने वाली थरूर की याचिका को खारिज किया। साथ ही दोनों पक्षों को 10 सितंबर को ट्रायल कोर्ट के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है।

मामले में सुनवाई कर हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा, कार्यवाही को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता है। थरूर ने निचली अदालत के 27 अप्रैल, 2019 के आदेश को रद्द करने की मांग की थी, जिसके तहत उन्हें भाजपा नेता राजीव बब्बर द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत में आरोपी के रूप में तलब किया था। उन्होंने 2 नवंबर, 2018 की शिकायत को रद्द करने की भी मांग की थी।

भाजपा नेता बब्बर ने आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया था कि कांग्रेस नेता के बयान से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अक्टूबर 2018 में, थरूर ने दावा किया था कि एक अनाम आरएसएस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना शिवलिंग पर बैठे बिच्छू से की थी।

शिकायतकर्ता ने कहा था, मैं भगवान शिव का भक्त हूं... हालांकि, आरोपी (थरूर) ने करोड़ों शिव भक्तों की भावनाओं की पूरी तरह से अवहेलना की, (और) ऐसा बयान दिया जिससे भारत और देश के बाहर सभी भगवान शिव भक्तों की भावनाएं आहत हुईं।

दुष्कर्म के आरोपियों को मौत की सजा देने कानून में करेंगे संशोधन: ममता

-विधेयक राज्यपाल को भेजेंगे, मंजूरी में देरी हुई तो राजभवन पर देंगे धरना

कोलकाता। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार की नीति 'बलात्कार जैसी घटनाओं को बर्दाश्त न करने की है और इन मामलों से संबंधित कानूनों में संशोधन करने के लिए अगले सप्ताह विधानसभा में एक विधेयक पास किया जाएगा, ताकि दुष्कर्म के आरोपियों को मौत की सजा तय की जा सके। ममता ने कहा कि यदि राज्यपाल संशोधित विधेयक को मंजूरी देने में देरी करते हैं या इसे अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो वह राजभवन के बाहर धरना देंगी। सीएम ममता ने कहा कि टीएमसी राज्य में शनिवार से जमीनी स्तर पर आंदोलन शुरू करने जा रही है, ताकि दुश्कर्म के आरोपियों को मौत की सजा देने का कानून पारित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाया जा सके। उन्होंने टीएमसी छात्र परिषद की स्थापना दिवस पर आयोजित रैली में कहा कि हम अगले सप्ताह विधानसभा के विशेष सत्र में संशोधन विधेयक पारित करेंगे। फिर हम इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजेंगे। अगर उन्होंने विधेयक को लटकाए रखा तो हम राजभवन के बाहर धरना देंगे। सीएम ममता ने बंगाल के प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की। ये उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के इस मुद्दे के प्रति शुरू से ही मेरी सहानुभूति रही है, क्योंकि वे अपनी सहकर्मी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद हमने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। हम आपका दर्द समझते हैं, लेकिन आप काम पर लौट आएं, क्योंकि मरीज परेशान हो रहे हैं। ममता ने आरोप लगाया कि बीजेपी एआई का उपयोग कर बड़े पैमाने पर साइबर अपराध कर रही है जिससे सामाजिक अशांति फेल रही है। बीजेपी ने 'नबान्न अभियान में भाग लेने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में बुधवार को 'बंगाल बंद का आह्वान किया था। सीएम ने

'नबान्न अभियान के दौरान ''हिंसा का मुकाबला करने के लिए पुलिस कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस ने उन बीजेपी समर्थित संगठनों के उकसावे के बावजूद संयम से काम लिया, जो हत्या करना चाहते थे। उन पर हुए हमलों में शारीरिक चोटें लगने और खून बहने के बावजूद पुलिस उकसावे का शिकार नहीं हुई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा

डीपफेक तकनीक समाज के लिए खतरा....केंद्र इस पर काम करे

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से कहा कि डीपफेक तकनीक समाज में एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। केवल तकनीक ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस(एआई) की काट हो सकती है। कोर्ट ने मोदी सरकार को इस मुद्दे पर काम करने की सलाह दी। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच डीपफेक टेक्नॉलजी पर नियंत्रण न होने के खिलाफ दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एएसजी चेतन शर्मा से कहा कि केंद्र सरकार को इस पर काम शुरू करना होगा। यह (डीपफेक) समाज में एक गंभीर खतरा बनने जा रहा है। आप भी कुछ स्टडी करें। यह ऐसा कुछ है कि आप जो देख रहे हैं और जो सुन रहे हैं, आप उस पर भरोसा नहीं कर सकते। यह कुछ ऐसा है जो चकित करता है। हमने अपनी आंखों से देखा और जो अपने कानों से सुना, उस पर भरोसा नहीं करना है, पर यह बहुत ही चौंकाने वाला है।

दरअसल पत्रकार रजत शर्मा ने देश में डीपफेक तकनीक के नॉन-रेगुलेशन के खिलाफ एक याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने ऐसी सामग्री के निर्माण में मदद देने वाले एप्लिकेशन और सॉफ्टवेयर तक सार्वजनिक पहुंच को रोकने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि चुनावों से पहले, सरकार इस मुद्दे पर चिंतित थी और अब चीजें बदल गई हैं। इस पर, एएसजी ने कहा कि हम अभी भी उतने ही चिंतित हैं जितने तब थे।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से कई क्षेत्र जलमग्न, कई राज्यों में अलर्ट जारी

गुजरात में चार दिन की बारिश से लोगों का बुरा हाल, बचाव कार्य में जुटी टीमें

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली-एनसीआर में रात से भारी बारिश जारी है, जिससे शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार के लिए दिल्ली समेत 18 अन्य राज्यों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच, गुजरात में पिछले चार दिनों से हो रही लगातार बारिश से कई इलाकों में बाढ़ आ गई है।

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी बुधवार रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। आईएमडी के मुताबिक यह मौसम 31 अगस्त तक ऐसा ही रहेगा। कई राज्यों में आंधी और भारी बारिश भी हो सकती है। पिछले चार दिनों से लगातार बारिश से गुजरात का बहुत बुरा हाल है, यहां कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। बारिश से होने वाली घटनाओं में 26 लोगों की मौत हो चुकी है। गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने भी राज्य की स्थिति की समीक्षा की है। बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना और तटरक्षक बल को तैनात कर दिया गया है। 17 हजार से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया है और राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। द्वारका, जामनगर, राजकोट और पोरबंदर जैसे इलाकों में दो सौ मिमी बारिश हुई है और आईएमडी ने अगले दो दिनों में और बारिश की भविष्यवाणी की है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों तक बारिश का मौसम बना रहेगा और दो सितंबर तक बारिश जारी रहने की उम्मीद है। दिल्ली में अगस्त माह में लगातार बारिश से अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के ही है। बारिश और बादल छाए रहने से उमस बनी हुई है, जिससे लोगों का हाल बुरा है। हालांकि सुबह और शाम सुहावनी रही हैं। दो सितंबर तक राजधानी में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर जूडो अवतार में दिखे राहुल गांधी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का जूडो अवतार सामने आया है। इसमें राहुल गांधी मार्शल आर्ट के गुर सीखते और एक्शन करते दिख रहे है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने जूडो के गुर सीखते हुए वीडियो शेयर किया है। वीडियो में पहले मार्शल आर्ट की तकनीक को समझते दिख रहे, इतना ही नहीं वे फिर अपने विरोधी को चारों खाने चित करने भी नजर आए। राहुल गांधी ने अपने वीडियो के जरिए देशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं भी दी है। राहुल गांधी ने बताया कि आखिर ये वीडियो कब और कैसे बनाया गया। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमारे कैंप में जुजुत्सु का अभ्यास हमारे दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। इस मेटरियल आर्ट की कला के जरिए हमने युवाओं को ध्यान, अहिंसा, आत्मरक्षा और उनकी शक्ति समझाने की कोशिश की। युवाओं के बीच ये जेंटल आर्ट आसानी से एक संवेदनापूर्ण और सुरक्षित समाज का साधन बन सकते हैं। राहुल गांधी ने वीडियो पोस्ट के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। कांग्रेस सांसद पहले भी कई मौकों पर बता चुके हैं कि उन्हें जापानी मार्शल आर्ट आइकीडो बेहद पसंद है। वे अक्सर ही आइकीडो का नियमित अभ्यास करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कैंप में भी वे सीखते नजर आए। राष्ट्रीय खेल दिवस पर राहुल गांधी ने मार्शल आर्ट सीखते और जूडो के दांव-पेच बताते वीडियो शेयर किया है। उनके वीडियो शेयर किए जाने एक महज 11 मिनट में इस वीडियो को 61 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। लगातार लोग उनके वीडियो को देख रहे।

आईएनएस अरिघात, समंदर में अभेद होगी भारत की सुरक्षा

के-15 मिसाइलों से लैस, 750 किलोमीटर मारक झमता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय नौसेना में दुश्मनों का काल आने वाला है। परमाणु बम से 750 किलोमीटर दूर तक तबाही मचाने वाला आईएनएस अरिहंत का यार अरिघात समंदर में उतरने जा रहा है। आईएएनएस अरिघात के-15 मिसाइल से लैस होगा, जो काफी खतरनाक है। जी हां, नौसेना में आईएनएस अरिघात सबमरीन यानी पनडुब्बी शामिल हो गई है। इससे समंदर में न केवल भारत की ताकत बढ़ेगी बल्कि यह चीन-पाकिस्तान में खलबली भी मचाएगी। अरिघात सबमरीन समंदर में घात लगाकर दुश्मनों को खोज-खोज कर मरेगी। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह परमाणु ऊर्जा से चलती है और यह महीनों तक पानी में डूबी रह सकती है। इस प्रकार की भारत की यह दूसरी पनडुब्बी है।

112 मीटर लंबे आईएनएस अरिघात के-15 मिसाइलों से लैस होगी। इन मिसाइलों की मारक क्षमता 750 किलोमीटर से भी अधिक है।

बात दें कि आईएनएस अरिघात से पहले, 2018 में आईएनएस अरिहंत लांच हुआ था। अरिघात और अरिहंत बिलकुल समान है। मगर, आईएनएस अरिघात अपने पूर्ववर्ती अरिहंत से काफी एडवांस है। ये दोनों सबमरीन मिलकर देश की 'परमाणु त्रय' या कहें कि जमीन, हवा और समुद्र से परमाणु बम दागने की क्षमता को मजबूत करेगी। बताया जा रहा है कि आईएनएस अरिघात, आईएनएस अरिहंत के साइज, लंबाई और चौड़ाई के ही बराबर है, लेकिन यह उससे अधिक के-15 मिसाइलों को ले जा सकता है। साथ ही यह अरिहंत से हर मामले में अधिक सक्षम, कुशल और सिक्रेटली अटैक करने वाला है। आईएनएस अरिहंत और अरिघात दोनों पारंपरिक पनडुब्बियों से बिलकुल अलग है। इसमें पहले कमीशन हुईं डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां अपने बैटरी को रिचार्ज करने के लिए ऑक्सीजन लेने हर दो दिन में सतह पर आती है या स्नोर्कल करती हैं। इसके विपरीत अरिहंत और अरिघात 83 मेगावाट दबाव वाले लाइट वाटर के रिएक्टरों से संचालित होती हैं। उनमें लगे छोटे परमाणु रिएक्टर की वजह से वे महीनों तक पानी में डूबे रह सकती है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती गतिशीलता को देखते हुए भारत लगातार अपने नौसेना की ताकत को बढ़ाने में लगा हुआ है। भारत इसी कड़ी की तीसरी और चौथी पनडुब्बी कमीशन करने वाला है। जानकारी के अनुसार तीसरा एसएसबीएन (परमाणु-चालित पनडुब्बियों या परमाणु-युक्त बैलिस्टिक मिसाइलों वाली पनडुब्बी), जो कि 7,000 टन वाला बड़ा पोत है, अगले साल कमीशन होगा। इस आईएनएस अरिदमन नाम से जाना जाएगा।

आखिरकर वनविभाग की टीम को मिली सफलता.......आदमखोर चार भेड़िए कैंद में

अभी दो और भेड़ियों की तलाश में टीम

बहराइच । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश बहराइच में भेड़ियों का आतंक लोगों की नींद खराब कर रहा है। जिले की 30 गांवों की रातें काफी डरावनी हो गई हैं। लेकिन अब आदमखोर भेड़िए को पकड़ने में वन विभाग की टीम ने बड़ी सफलता मिली है। वन विभाग ने बहराइच में 8 लोगों को मारने वाले भेड़िये को पकड़ लिया। माना जा रहा है कि आदमखोर भेड़ियों की कुल संख्या 6 हैं, जिसमें एक को गुरुवार को पकड़ लिया गया है जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 4 भेडियों को पकड़ा जा चुका है। बताया जा रहा है कि अभी दो और भेड़ियों की तलाश वन विभाग की टीम कर रही है। मार्च से जून तक भेड़ियों के हमलों की छिटपुट घटनाएं सामने आईं, लेकिन पिछले एक महीने में इनकी संख्या बढ़ी है। अब तक भेड़ियों के झुंड ने आठ बच्चों और एक महिला को मौत के घाट उतार दिया है। और 35 लोगों को ये भेड़िये घायल कर चुके हैं। भय के माहौल में कुछ परिवारों ने अपने बच्चों को बाहर रिश्तेदारी में भेज दिया है। इसके बाद वन विभाग ने ऑपरेशन भेड़िया शुरू किया है। 16 टीमों के साथ ही जिला स्तरीय 12 अधिकारी कैंप कर रहे हैं। टीम ने अब तक तीन भेड़ियों को पकड़ा है। इसमें से एक की मौत हुई और दो लखनऊ चिड़ियाघर में रखे गए हैं। अपने तीन साथियों के पकड़े जाने के बाद भेड़िये और आक्रामक हो गए हैं। वनकर्मी नाइट-विजन ड्रोन, जाल और ट्रैंक्लिाइजर गन से लैस थे। हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में सबसे बड़े शिकार अभियानों में से एक रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन भेड़िया की रिपोर्ट के लिए वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना को ग्राउंड जीरो पर भेजा। 48 घंटे की लगातार तलाशी के बाद ड्रोन ने सिसिया गांव में होली यादव के घर के पास के गन्ने की खेतों में तीनों भेड़ियों को देखा। इसके बाद वन विभाग की टीम ने एक बकरी को चारा बनाकर जाल बिछाया है। सफलता मिलते ही एक ट्रैंक्लिाइजर टीम तैयार है। उन्होंने कहा कि हमने भेड़ियों को भगाने के लिए गांवों की गलियों में हाथी का गोबर और मूत्र फैलाया है। जब गोबर में आग लगाई जाती है, तब उसमें से ऐसी गंध आती है जो हाथियों की मौजूदगी की नकल करती है। वन विभाग ने तीन अगस्त को एक भेड़िया कैद हुआ, जिसने दम तोड़ दिया। 8 और 18 अगस्त को दो भेड़िये पिंजरे में कैद हुए। इसके बाद भेड़ियों का झुंड और खूंखार हो गया। भेड़ियों के हमले में मासूमों सहित 25 लोग घायल हो गए। प्रभागीय वनधिकारी अजीत प्रताप सिंह के अनुसार, भेड़ियों को ट्रैंकुलाइज करने की अनुमति मिल गई है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव संजय श्रीवास्तव ने बताया कि कई टीमों को ऑपरेशन भेड़िया में लगाया गया है। डीएम मोनिका रानी ने बताया कि मृतकों के स्वजन को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के साथ प्रभावित गांवों में क्रिटिकल गैप फंड से 20 लाख रुपये से सोलर और हाईमास्ट लाइट लगवाने, घरों में दरवाजे लगवाने के लिए 5 लाख रुपये दिए गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी मामले की रिपोर्ट तलब की है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा ने बताया कि वन विभाग ने सीएम को बहराइच में लगाई गईं टीमों और अब तक के प्रयासों की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने भेड़ियों को पकड़ने और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के लिए कहा है। वहीं, वन मंत्री डॉ. सक्सेना ने कहा कि बहराइच में भेड़िए के हमलों की घटना से हम सभी चिंतित हैं। मुख्य वन संरक्षक रेणु सिंह को मौके पर भेज दिया गया है। अधिकारियों को हर संभव प्रयास कर भेड़ियों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं। वन मंत्री ने लोगों से खुले में न सोने का अनुरोध किया है।

आज यूपी विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था का मॉडल बन गया

योगी बोले- सपा के शासन में न तो बेटियां और न व्यवसाय सुरक्षित थे

लखनऊ। (एजेंसी)

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकार यानी सपा की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में 2017 के बाद से अराजकता से विकास के मॉडल में अहम बदलाव हुआ है। गुरुवार को रोजगार मेले में बोलते हुए योगी ने कहा कि 2017 से पहले, यूपी अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहा था, अराजकता और अव्यवस्था से त्रस्त था। हर त्योहार से पहले दंगे होते थे और न तो बेटियां और न ही व्यवसाय सुरक्षित थे। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा और व्यवस्था की कमी के चलते यूपी की पहचान धूमिल हो गई थी। उन्होंने कहा कि कई युवाओं को इन स्थितियों के कारण राज्य छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे पहचान संकट की भावना पैदा हुई। उन्होंने कहा कि जब से राज्य में बीजेपी सरकार सत्ता में आई चीजें बेहतर हुई और बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि आपने राज्य में डबल इंजन की सरकार देखी है। इस सरकार ने सुशासन-सुरक्षा-विकास का मॉडल दिया है। सीएम योगी ने राज्य की चुनौतियों को पहचानने और उनका समाधान करने के लिए पीएम मोदी को श्रेय दिया और मतदाताओं से बीजेपी सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि आज यूपी विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था के मॉडल के रूप में खड़ा है।

योगी ने कहा कि आज विकास और सुशासन का क्या मॉडल होना चाहिए, कानून-व्यवस्था कैसी होनी चाहिए, यह यूपी तय करता है। सपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि लाल टोपी वाले लोग काले कारनामों के लिए जाने जाते हैं। अगले दो साल के अंदर यूपी पुलिस एक लाख नौजवानों की भर्ती करने जा रही है। इसमें से 20फीसदी बेटियों की भर्ती की जाएगी। योगी ने कहा कि विभाजनकारी राजनीति को दरकिनार करते हुए हमें राष्ट्रवाद के आधार पर देश के विकास के लिए, विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आगे आना होगा।

मंगलयान मिशन की सफलता का शिल्पकार ये वैज्ञानिक

नई दिल्ली ।

जब भी मंगलयान मिशन की सफलता का जिक्र आता है, तब इस वैज्ञानिक का योगदान भूलाया नहीं जा सकता है। जी हां हम बात कर रहे हैं इसरो के पूर्व चीफ के. राधाकृष्णन के बारे में। राधाकृष्णनन का ही कमाल था कि उनके नेतृत्व में इसरो के वैज्ञानिकों ने पहले ही प्रयास में ही मंगलयान मिशन में सफलता हासिल की थी। अभी हाल ही में उन्हें नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक मामले में गठित कमेटी का अध्यक्ष बनाया था। इसरो के पूर्व चीफ के.राधाकृष्णनन का जन्म 29 अगस्त 1949 को केरल के इरिंजालकुड़ा में हुआ था। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद राधाकृष्णनन ने केरल विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलौर (1976) से पीजीडीएम की डिग्री हासिल की। यही नहीं इसरो के पूर्व चीफ भारत इंजीनियर्स संस्था के मानद आजीवन फेलो रहे। विद्युत और दूरसंचार इंजीनियर संस्था, भारत के मानद फेलो और एस्ट्रोनॉटिक्स के इंटरनेशनल अकादमी के सदस्य हैं। इसरो के चीफ बनने के बाद उनके हिस्से में खास उपलब्धि आई। उनके कुशल मार्गदर्शन में, इसरो ने पहले प्रयास में ही मंगलयान मिशन सफलतापूर्वक पास कर लिया। मंगलयान मिशन को प्रथम प्रयास में ही मंगल तक पहुंचाने का करिश्मा करने के बाद उनका नाम बड़े गर्व और सम्मान से लिया जाता है। भारत का पहला मंगल मिशन, मार्स ऑर्बिटर मिशन (एमओएम) 24 सितंबर, 2014 को सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया था। यह उपलब्धि किसी भी एशियाई अंतरिक्ष एजेंसी के लिए ऐतिहासिक थी। इसरो, मंगल ग्रह का सफलतापूर्वक मंगल ग्रह तक पहुंचाने वाली दुनिया की चौथी अंतरिक्ष एजेंसी बन गई। इससे पहले, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने ही मंगल ग्रह का सफलतापूर्वक अन्वेषण किया था। मंगलयान को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 5 नवंबर, 2013 को ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी 25) रॉकेट के जरिए छोड़ा गया था। 30 नवंबर, 2013 को 19ः19 पर, 23 मिनट की इंजन फायरिंग ने मंगलयान को पृथ्वी की कक्षा से दूर और मंगल की ओर सूर्यकेंद्रित कक्षा में स्थानांतरित करना शुरू किया था। मंगल तक पहुंचने के लिए मंगलयान को 780,000,000 किलोमीटर (480,000,000 मील) की दूरी तय करनी पड़ी।

महाराष्ट्र में एमव्हीए में कोई मतभेद नहीं, चुनाव मिलकर ही लड़ेंगे: चेन्निथला

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र के एआईसीसी प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमव्हीए) में कोई मतभेद नहीं हैं और वे विधानसभा का चुनाव मिलकर लड़ेंगे।

चेन्निथला ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के नेता जल्द ही सीट बंटवारे पर एक और दौर की बातचीत करेंगे। एक सितंबर को हमारे नेता दूसरे दौर की बातचीत करेंगे।

288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव इस साल के अंत में होने वाले हैं। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने अभी तारीखों का ऐलान नहीं किया है। गुरुवार सुबह नागपुर पहुंचे चेन्निथला का शाम को यवतमाल में एक कांग्रेस नेता के कार्यक्रम में शामिल होने का कार्यक्रम है। विपक्षी गठबंधन का सीएम चेहरा कौन होगा, इस पर उन्होंने कहा हमारा चेहरा एमवीए है। हम एमवीए के नाम पर चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सीएम का फैसला किया जाएगा।

हमने लोकसभा चुनाव के दौरान कोई पीएम चेहरा पेश नहीं किया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस ज्यादा सीटों पर लड़ने जा रही है, तो उन्होंने कहा, एमवीए चुनाव में ज्यादा सीटों पर लड़ेगी। हम गठबंधन के धर्म पर कायम रहेंगे और सभी को साथ लेकर चलेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल नवंबर में पूरा होने वाला है।

एकनाथ शिंदे के विद्रोह करने और कुछ विधायकों के साथ बीजेपी से हाथ मिलाने के बाद राज्य में सत्ता में आई शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी ध्वस्त हो गई। इससे राज्य में शिवसेना (शिंदे गुट)-बीजेपी की सरकार बनी।

मुंबई के पास आयुर्वेदिक अस्पताल में होगा आसाराम बापू का इलाज

मुंबई। (एजेंसी)

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जोधपुर केंद्रीय कारागार में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू बाबा आसाराम बापू को हृदय संबंधी बीमारी के इलाज के लिए मुंबई से सटे रायगढ़ जिले के खोपोली में एक अस्पताल में लाया गया है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आसाराम (83) को पुलिस सुरक्षा में मंगलवार रात करीब आठ बजे मुंबई से करीब 70 किलोमीटर दूर खोपोली में एक आयुर्वेदिक अस्पताल के हृदय देखभाल क्लीनिक में लाया गया. आसाराम बापू का अगले सात दिन तक इस चिकित्सा केंद्र में हृदय संबंधी बीमारी के लिए उपचार किया जाएगा.

आसाराम का माधवबाग मेडिकल फैसिलिटी में इलाज होगा. बता दें कि आसाराम को सितंबर 2013 में गिरफ्तार किया गया था. राजस्थान उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को आसाराम को महाराष्ट्र के एक आयुर्वेदिक अस्पताल में पुलिस हिरासत में उपचार कराने की अनुमति दी थी.

इसके बाद आसाराम को खोपोली में स्थित अस्पताल ले जाया गया. सुरक्षा के तौर पर अस्पताल में रायगढ़ पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है. राजस्थान उच्च न्यायालय ने आसाराम को पैरोल देते हुए कुछ शर्तें लगायी थीं जिसके तहत चार पुलिसकर्मी उनके साथ रहेंगे. उनके साथ दो सहायकों को भी आने की अनुमति दी गयी थी. इससे पहले, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने स्वास्थ्य आधार पर आसाराम की सजा को निलंबित करने की याचिकाएं खारिज कर दी थीं. उन्हें 2013 में अपने आश्रम में एक किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में इंदौर में गिरफ्तार किया गया था और 2018 में एक विशेष बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) अदालत ने उन्हें सजा सुनायी थी. गुजरात की एक अदालत ने जनवरी 2023 में एक महिला अनुयायी से जुड़े एक दशक पुराने यौन शोषण मामले में उन्हें दोषी ठहराया था तथा उम्रकैद की सजा सुनायी थी.

सूरत की पीड़िता ने आसाराम पर 2013 में उसके आश्रम में बार-बार उससे दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था.

फिर सामने आया अमेरिका का दोहरापन......बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले पर चुप

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया भर में अधिकारों और लोकतंत्र का संरक्षक अमेरिका बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चुप है। इस दोहरे मापदंड का पता मोदी-बाइडेन वार्ता के रीडआउट से बांग्लादेश और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार का उल्लेख हटा देना था। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सैन्य समर्थित कार्यवाहक सरकार के तहत अमेरिका बांग्लादेश की स्थिति की आलोचना करने से क्यों बच रहा है? दरअसल, जब बांग्लादेश में भारत के हितों की बात आती है, तब अमेरिका विपरीत गुट में होता है। अमेरिका ने 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की मुक्ति को रोकने की कोशिश की और फिर उन राजनीतिक दलों का साथ दिया जो पाकिस्तान समर्थक थे। अमेरिका ने हमेशा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का समर्थन किया है, जिसके शासन के दौरान भारत विरोधी ताकतों को बांग्लादेश एक सुरक्षित ठिकाना मिला। अमेरिका ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में अवामी लीग शासन को कमजोर करने के लिए वर्षों तक काम किया। अमेरिका ने बांग्लादेश के जन्म को रोकने की कोशिश की। लेकिन आज भी, वह बांग्लादेश के संबंध में भारत के साथ एकमत नहीं है।

भू-रणनीतिज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने कहा कि मनमाने ढंग से गिरफ़्तारियाँ, जबरन इस्तीफ़ा और राजनीतिक बंदियों पर शारीरिक हमले। 26 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने युद्धग्रस्त यूक्रेन के दौरे से लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया। उनके द्वारा चर्चा किए गए मुद्दों में यूक्रेन और बांग्लादेश का संकट भी शामिल था। भारतीय रीडआउट में उल्लेख किया गया कि पीएम मोदी और बाइडेन ने बांग्लादेश की स्थिति पर अपनी साझा चिंता व्यक्त की, व्हाइट हाउस रीडआउट इस मुद्दे पर चुप था और केवल यूक्रेन-रूस युद्ध पर केंद्रित था।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल गंगवार ने चंपाई सोरेन का इस्तीफा किया मंजूर

रांची । झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने हेमंत सरकार में मंत्री रहे चंपाई सोरेन का इस्तीफा मंजूर किया है। झामुमो ने उनकी जगह दूसरे विधायक का नाम भी मंत्री पद के लिए फाइनल कर दिया। घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन अब उनकी जगह मंत्री बनने वाले है। उल्लेखनीय है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने लंबे समय से चल रहे राजनीतिक अटकलों को विराम लगाकर बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया। बुधवार को उन्होंने झामुमो की प्राथमिक सदस्यता सहित मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। वे शुक्रवार को रांची में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले है। उनके साथ उनका बेटा बाबूलाल सोरेन भी भाजपा में शामिल होगा।

चंपाई सोरेन ने क्यों छोड़ दी पार्टी

चंपाई ने दो हफ्ते पहले ही पार्टी के ऊपर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए झामुमो छोड़ने का ऐलान किया था। उन्होंने पोस्ट में अपना दर्द बयां करते हुए लिखा था कि 3 जुलाई को पार्टी द्वारा विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। जिसका एजेंडा तक मुझसे साझा नहीं किया गया था। यहां तक कि मेरे सभी कार्यक्रमों को भी स्थगित करवा दिया गया। जिसके बाद मैंने वैकल्पिक राह तलाशने के लिए मजबूर हो गया। तभी मैंने कहा दिया था कि आज से मेरे जीवन का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है।

देश में तेजी से बढ़ रही छात्रों की आत्महत्याओं की घटनाएं

नई दिल्ली । देश में स्टूडेंट्स की आत्महत्या का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीबीआर) के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में स्टूडेंट्स ने सबसे ज्यादा आत्महत्या की। राजस्थान का कोटा आत्महत्या के मामलों में हमेशा चर्चा में रहता है, लेकिन इस रिपोर्ट में वह 10वें स्थान पर है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जहां देश में कुल आत्महत्या के केस में सालाना 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, वहीं छात्र आत्महत्या के मामलों में यह वृद्धि 4 प्रतिशत से ज्यादा है। ये हालात तब हैं जब स्टूडेंट्स की आत्महत्या की पुलिस में रिपोर्ट कम दर्ज कराई जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले दो दशकों में छात्र आत्महत्याएं 4 प्रतिशत की चिंताजनक वार्षिक दर से बढ़ी हैं, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी हैं। 2022 में कुल स्टूडेंट्स की आत्महत्याओं में छात्रों की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी। 2021 और 2022 के बीच छात्र आत्महत्याओं में 6 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि छात्राओं की आत्महत्या में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्टूडेंट्स की आत्महत्या की घटनाएं जनसंख्या वृद्धि दर और कुल आत्महत्या ट्रेंड, दोनों को पार कर रही हैं। पिछले दशक में 0-24 वर्ष के बच्चों की आबादी 582 मिलियन से घटकर 581 मिलियन हो गई, जबकि स्टूडेंट्स आत्महत्या की संख्या 6,654 से बढ़ कर 13,044 तक हो गई है।

दिल्ली में लो फ्लोर एसी कलस्टर बस में आग....यात्रियों को बचाया गया

नई दिल्ली । दिल्ली के जगतपुरी इलाके में गुरुवार सुबह तकरीबन 10 बजे सवारियों से भरी लो फ्लोर एसी कलस्टर बस में आग लग गई। जब आग लगी उस वक्त बस में कई यात्री मौजूद थे। बस में आग लगने के कारण पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में लंबा जाम लग गया पूर्वी दिल्ली के जगतपुरी, प्रीत विहार, पटपड़गंज इलाके में कई किलोमीटर लंबा जाम देखने को मिला। जो लोग सुबह के वक्त अपने घर से दफ्तर जा रहे है उन्हें काफी परेशानी हुई। जगतपुरी में हुए हादसे के बाद ड्राइवर की तरफ से आग पर काबू पाने की कोशिश की गई थी लेकिन आग काफी ज्यादा बढ़ गई और इस वजह से आग पर काबू नहीं पाया जा सका। बस की लगातार हो रही घटनाओं पर भाजपा ने आम आदमी पार्टी को घेरना शुरू कर दिया है। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आप पर सवाल खड़े कर कहा कि यह केजरीवाल का लंदन मॉडल है।

3752 ट्रांसजेंडरों ने कराया नौकरी के लिए रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली । नेशनल केरियर सर्विस (एनसीएस) के पोर्टल में 3752 ट्रांसजेंडर ने सरकारी नौकरी के लिए अपना पंजीयन कराया है। एनसीएस के इस पोर्टल में फरवरी से जुलाई के बीच में 1.28 करोड़ पुरुष, 1.11 करोड़ महिलाओं ने सरकारी नौकरी के लिए अपना पंजीयन कराया है। इस पोर्टल पर 3752 ट्रांसजेंडरों ने भी पंजीयन कराया है। पहली बार है,जब इतनी बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर नौकरी के लिए सामने आ रहे हैं।

11 लाख के लालचे में 63 लाख गंवा बैठा रिटायर बैंक कर्मचारी

-पुराने 5 रुपये की कीमत के चक्कर में लगा चूना

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

1 अप्रैल 2024 की सुबह करीब 9 बजे का वक्त रहा होगा। बैंक से रिटायर हो चुके शिवराम पुरोहित की नजर इंस्टाग्राम की एक पोस्ट पर पड़ी। ये पोस्ट एसएनएस इन्वेस्टमेंट ओल्ड कॉइन गैलरी नाम की कंपनी की थी। पोस्ट में लिखा था कि अगर आपके पास 1, 2 और 5 रुपये के पुराने नोट या सिक्के हैं, तब आप बदले में लाखों रुपये जीत सकते हैं। शिवराम के पास भी 5 रुपये का पुराना नोट था, इसलिए उन्होंने सोचा कि क्यों ना अपनी किस्मत आजमाएं।

शिवराम ने अपना 5 रुपये का नोट तलाशना शुरू कर दिया। नोट मिलते ही उन्होंने पोस्ट में दिए गए वॉट्सएप नंबर पर उसकी फोटो खींचकर भेज दी। थोड़ी देकर बाद उनके मोबाइल पर उसी नंबर से मैसेज आया और बताया गया कि कंपनी ने अपनी जांच-परख के बाद उनके नोट की कीमत 11 लाख रुपये तय की है। शिवराम खुश हो गए। उनके लिए एक पुराने नोट के बदले 11 लाख रुपये मिलने का मतलब था, जैसे कोई पुराना खजाना हाथ लग गया है।

हालांकि, कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर उसी नंबर से एक दूसरा मैसेज आया। इस संदेश में पहचान के लिए कुछ प्रूफ मांगे गए और साथ ही कहा गया कि 11 लाख रुपये की रकम पाने के लिए आपको पहले टैक्स के तौर पर कुछ रुपये जमा करना होगा। ये पुराने नोटों का कलेक्शन है, इसलिए अलग-अलग विभाग के बैंक खातों में टैक्स जमा होगा। शिवराम को लगा कि अगर उन्होंने देर की, कहीं ये मौका हाथ से निकल ना जाए इसलिए उन्होंने तुरंत हां कर दी। शिवराम को जैसे-जैसे बताया गया, वे रकम ट्रांसफर करते चल गए।

पुराने नोट के बदले 11 लाख रुपये देने वाली कंपनी ने कुछ ही घंटों के भीतर शिवराम से करीब 52 लाख रुपए अलग-अलग बैंक अकाउंट में जमा करा लिए। शिवराम से कहा गया कि टैक्स काटने के बाद बाकी रकम उन्हें वापस मिलेगी। इसके बाद उन्हें एक दूसरी कंपनी के दो बैंक खातों के नंबर दिए गए और यहां भी उनसे लगभग 11 लाख की रकम ट्रांसफर करा ली गई। इन सारे बैंक खातों में मिलाकर शिवराम अब तक कुल 63 लाख रुपए भेज चुके थे। इसके बाद उस नंबर से मैसेज आने बंद हो गए। शिवराम ने कई बार उस नंबर पर फोन भी किया, लेकिन नंबर बंद हो चुका था। पुरोहित को 63 लाख रुपए की रकम गंवाने के बाद एहसास हुआ कि उनके साथ पांच रुपये के पुराने नोट के नाम पर काफी बड़ी ठगी हुई है। अपनी शिकायत लेकर शिवराम पुलिस थाने पहुंचे और साइबर सेल में उनका मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर मुंबई के रहने वाले शिवराज राव, साहित और पंकज सिंह के अलावा कोलकाता से चलने वाली कंपनी क्लिकर और तानामे सनबोट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पासपोर्ट बनवाने वाले सावधान! आज से नहीं होगा ऑनलाइन पासपोर्ट पोर्टल पर काम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

ऑनलाइन पासपोर्ट पोर्टल पर पांच दिनों तक काम नहीं होगा। पासपोर्ट सेवा पोर्टल में तकनीकी रखरखाव के कारण, पोर्टल 29 अगस्त की रात 8 बजे से 2 सितंबर की सुबह 6 बजे तक पूरी तरह बंद किया जा रहा है। इसके चलते इस दौरान न तो नए आवेदन किए जा सकेंगे और न ही पहले से बुक किए गए अपॉइंटमेंट्स ही होंगे।

30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच जिन आवेदकों के अपॉइंटमेंट्स हैं, उन्हें नए सिरे से अपॉइंटमेंट लेना होगा। सर्विस बंद होने का असर पासपोर्ट सेवा केंद्र के साथ-साथ लोकल पासपोर्ट ऑफिस और विदेश मंत्रालय पर पड़ेगा। पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम तकनीकी रखरखाव के लिए उठाया जा रहा है। इस दौरान देशभर के सभी पासपोर्ट सेवा केंद्र, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय और विदेश मंत्रालय में पासपोर्ट सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने आश्वासन दिया है कि सभी आवेदकों के अपॉइंटमेंट्स को नए सिरे से तय किया जाएगा और उन्हें सूचित किया जाएगा। पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने सभी नागरिकों को सूचित किया है कि पोर्टल 29 अगस्त (गुरुवार) रात 8 बजे से 2 सितंबर, (सोमवार) सुबह 6 बजे तक तकनीकी के चलते बंद किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान नागरिकों और संबंधित अधिकारियों के लिए पोर्टल उपलब्ध नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

जेलेंस्की बाइडन को बताएंगे युद्ध विराम की योजना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह रूस के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके दो संभावित उत्तराधिकारियों कमला हैरिस व टिम वॉल्ज के सामने एक शांति योजना पेश करेंगे। मंगलवार को एक कार्यक्रम में जेलेंस्की ने कहा कि वह सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए अमेरिका जाएंगे। इस दौरान वह बाइडन से मिलेंगे। उन्होंने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में उनके सैनिकों की घुसपैठ को शांति योजना का हिस्सा बताया। कहा कि शांति योजना में आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चों पर अन्य कदम भी शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए विवश करना है। जेलेंस्की ने कहा कि योजना की सफलता राष्ट्रपति बाइडन पर बहुत हद तक निर्भर करेगी। वह यूक्रेन को अपना (अमेरिका) का साथ देंगे या नहीं। बता दें कि यूक्रेनी सेना प्रमुख ने दावा किया है कि यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र के करीब 1,300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

अमेरिका ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में धमाकों की निंदा की

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए कई हमलों के बाद अमेरिकी विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने कड़ी निंदा की। विभाग के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी बयान में विदेश विभाग ने कहा, अमेरिका हमलों की कड़ी निंदा करता है। हमलों में कई लोगों की जान चली गई। शांति भंग करने वाली कोई भी हिंसा अक्षम्य है। हम आतंकवाद के खिलाफ़ पाकिस्तान की लड़ाई में उसके साथ खड़े हैं। हम उन लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

जेलेंस्की का दावा- यूक्रेन में बनी बैलिस्टिक मिसाइल का पहला सफल परीक्षण

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि उनकी सेना ने हाल ही में घरेलू स्तर पर निर्मित बैलिस्टिक मिसाइल का पहला सफल परीक्षण किया है। बता दें कि यूक्रेन और रूस के बीच बीते 28 महीने से अधिक समय से युद्ध चल रहा है। ऐसे में जेलेंस्की का बयान चौंकाने वाला है।

ताइवान की सीमा पर देखे गए चीनी लड़ाकू विमान

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि बुधवार की सुबह करीब छह बजे चीन के करीब 30 लड़ाकू विमान, सात युद्धक जहाज और एक आधिकारिक जहाज ताइवान की सीमा के आसपास मंडराते देखे गए। बयान के अनुसार, 30 लड़ाकू विमानों में से 27 ने ताइवान की हवाई सीमा का भी उल्लंघन किया और वे ताइवान जलडमरूमध्य को पार कर मीडियन लाइन तक पहुंच गए थे। ताइवान ने कहा है कि वह स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। मंगलवार को भी चीन के 15 सैन्य विमानों और सात युद्धक जहाजों को ताइवान की सीमा के पास देखा गया था। हाल के समय में चीन द्वारा लगातार ताइवान के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई की जा रही है। ताजा घटना भी उसी की कड़ी है।

उत्तर कोरिया ने नई तकनीक से लैस मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण किया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने एक नई तकनीक से युक्त 240 मिमी मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर के परीक्षण में हिस्सा लिया। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह नया आर्टिलरी सिस्टम रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उपयोग करने के लिए दिया जा सकता है। कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने मंगलवार को मल्टीपल रॉकेट लॉन्च सिस्टम (एमआरएलएस) के परीक्षण में भाग लिया। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि हथियार सियोल और उसके आस-पास के इलाकों में टारगेट रेंज में रख सकता है। फरवरी में, उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने एक नया रॉकेट लॉन्चर विकसित किया है। जो सटीकता और रेंज के मामले में उसकी हथियार क्षमताओं को बढ़ा सकता है। मई में उत्तर कोरिया की तरफ से कहा गया कि वह 2024 और 2026 के बीच कोरियन पीपुल्स आर्मी यूनिट में हथियार प्रणाली तैनात करेगा। पर्यवेक्षकों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के साथ युद्ध में उपयोग के लिए रूस को रॉकेट लांचर की आपूर्ति करने के प्रयास में रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण कर रहा है।

बांग्लादेश ने रिहा किया खतरनाक आतंकी, अल-कायदा से जुड़े हैं तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक खूंखार आतंकवादी को रिहा करने का फैसला किया है। अलकायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के प्रमुख जशीमुद्दीन रहमानी को रिहा कर दिया गया है। यह भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि यह आतंकवादी संगठन स्लीपर सेल की मदद से भारतीय सीमा के निकट जिहादी नेटवर्क बनाने की कोशिश कर रहा है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर की हत्या के मामले में जेल में बंद रहमानी को सोमवार को पैरोल पर रिहा कर दिया गया है। गुवाहटी रेलवे स्टेशन के बाहर इस आतंकवादी समूह के दो आतंकवादियों की गिरफ्तारी हुई थी। इस समूह का सीधा संबंध अल कायदा से माना जाता है। बांग्लादेशी अखबार के मुताबिक 2013 में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर राजीब हैदर की हत्या के मामले में रहमानी को 5 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उसके खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का पता चला था।

मालदीव में तख्तापलट की कोशिश, बैंक के एक कदम से हिल गई मुइज्जू सरकार

माले, एजेंसी। मालदीव से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की कोशिश की गई है। मालदीव पुलिस ने एक बयान जारी कर इसका दावा किया है। पुलिस ने कहा कि बैंक ऑफ मालदीव द्वारा क्रेडिट कार्ड्स के लिए डॉलर की उपलब्धता सीमित करने का निर्णय तख्तापलट की साजिश का हिस्सा था। पुलिस इस कथित तख्तापलट की जांच कर रही है, जिसमें विपक्षी दलों और सैकड़ों ट्विटर बॉट्स के शामिल होने का आरोप है। पुलिस के बयान के अनुसार, यह साजिश राष्ट्रपति मुइज्जू के प्रशासन के खिलाफ रची गई थी। बयान में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रीय बैंक ने राष्ट्रपति के प्रशासन को कमजोर करने का प्रयास किया। बता दें कि बैंक ऑफ मालदीव एक सरकारी बैंक है जिसमें सरकार की 62त्न हिस्सेदारी है। मालदीव पुलिस सेवा (एमपीएस) ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला : बैंक ऑफ मालदीव ने मालदीवियन रूफिया वाले खातों से जुड़े डेबिट और क्रेडिट कार्डों के लिए विदेशी लेनदेन को निलंबित कर दिया था। यानी मालदीव के लोग अपने डेबिट और क्रेडिट कार्डों से डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में लेनदेन नहीं कर सकते थे। उदाहरण के लिए, अगर पहले ग्राहक बिना किसी लिमिट के विदेश में डॉलर में खरीदारी कर सकते थे, तो अब बैंक ने उस राशि पर एक लिमिट तय कर दी, जिससे ग्राहक केवल एक निश्चित लिमिट तक ही डॉलर खर्च कर सकते थे। मालदीव पुलिस ने एक बयान में कहा कि सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ऑफ मालदीव द्वारा घोषित फैसले से कई लोग स्तब्ध थे। लेकिन इसी दौरान विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) सरकार की वित्तीय स्थिति पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही थी। पुलिस ने कहा कि उसी समय, सोशल मीडिया पर सैकड़ों बॉट अकाउंट भी एक्टिव थे, जो नागरिकों से सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सड़कों पर उतरने का आह्वान कर रहे थे। मालदीव रिपब्लिक की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि उसके पास यह मानने के प्रयाप्त कारण है कि बैंक के निर्णय के बाद विपक्ष की कार्रवाई सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रयास थी। पुलिस ने विपक्षी एमडीपी पर सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। बैंक ऑफ मालदीव के निदेशक मंडल ने विदेशी लेनदेन पर रोक लगाने वाला फैसला शनिवार को लिया था और रविवार को सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की। हालांकि राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुइज्जू प्रशासन के पास बैंक के निदेशक मंडल से बात करने के लिए पर्याप्त समय था। वे चाहते तो बैंक के फैसले को सार्वजनिक होने से रोक सकते थे। मालदीव मोनेट्री अथॉरिटी (एमएमए) के दबाव का सामना करने के बाद बैंक ने अपने डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर विदेशी लेनदेन की अनुमति को निलंबित करने के अपने फैसले को वापस ले लिया। रविवार को जारी एक बयान में, बैंक ने कहा, 25 अगस्त 2024 को घोषित विदेशी लेनदेन के लिए कार्ड की लिमिट में परिवर्तन हमारे नियामक, मालदीव मोनेट्री अथॉरिटी के निर्देश के आधार पर वापस ले लिया गया है।

इससे पहले रविवार को बैंक ने मालदीवियन रूफिया वाले खातों से संबंधित सभी मौजूदा और नए डेबिट और क्रेडिट कार्ड के लिए विदेशी लेनदेन को निलंबित कर दिया। इसके अलावा, बैंक ने मौजूदा स्टैंडर्ड और गोल्ड क्रेडिट कार्ड के लिए मासिक विदेशी लेनदेन की सीमा को घटाकर 100 अमेरिकी डॉलर कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार पॉलिसी में अचानक हुए इस बदलाव से व्यापक चिंताएं पैदा हो गई, जिसमें डॉलर के लिए ब्लैक मार्केट रेट में वृद्धि और महंगाई और आर्थिक अस्थिरता की बढ़ती आशंकाएं शामिल हैं।

सूडान में पैरा मिलिटरी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के हमले में 25 लोगों की मौत, 30 घायल

खार्तूम , एजेंसी। पश्चिमी सूडान के उत्तर दारफूर राज्य की राजधानी एल फाशेर में पैरामिलिटरी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए एक हमले में कम से कम 25 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। उत्तर दारफूर राज्य के स्वास्थ्य प्रमुख इब्राहीम खतीर ने मंगलवार को सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया, आरएसएफ ने सोमवार को अबू शौक कैंप मार्केट पर चार शेल दागे, जिसमें 25 लोग मारे गए और लगभग 30 अन्य लोग घायल हो गए। खतीर के मुताबिक, यह घटना सोमवार को हुई और घायलों को अबू शौक क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों, सऊदी अस्पताल और सेना के मेडिकल कॉर्प्स अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया है। एल फाशेर में एक गैर-सरकारी समूह ने मंगलवार को अपने फेसबुक पेज पर एक बयान में कहा कि आरएसएफ ने सोमवार को एल फाशेर में निजी सब-सहारा कॉलेज पर बमबारी की, जिससे इस कॉलेज के मुख्य हॉल, प्रयोगशाला, शवगृह और अन्य इमारतें नष्ट हो गईं। हालांकि आरएसएफ ने इन घटनाओं पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि 10 मई से, एल फाशेर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण संघर्ष जारी है। सूडान में 15 अप्रैल, 2023 से आरएसएफ और आरएसएफ के बीच गंभीर संघर्ष हो रहा है, जिससे कम से कम 16,650 लोगों की मौत हो चुकी है। हालिया यूएन आंकड़ों के अनुसार, सूडान में अनुमानित 10.7 मिलियन लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुके हैं, जबकि लगभग 2.2 मिलियन अन्य पड़ोसी देशों में शरण ले रहे हैं। इससे पहले पश्चिमी सूडान में उत्तरी डारफुर राज्य की राजधानी एल फशर पर ही 12 अगस्त को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के हमले में कम से कम 28 नागरिक मारे गए।

ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ता का 2014 में लापता एचएच370 विमान का पता लगाने का दावा

मेलबर्न, एजेंसी। एक ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक ने दावा किया कि उन्होंने कई साल पहले लापता हुए एचएच370 विमान का पता लगा लिया है। 2014 में कुआला लंपुर से 239 यात्रियों के साथ उड़ान भरने के बाद ही मलयेशियाई एयरलाइंस की उड़ान रडार से बाहर हो गई थी। इस विमान को ढूंढने के लिए विमानन इतिहास में सबसे बड़ा खोज अभियान चलाया गया, लेकिन आज भी इस विमान का पता नहीं चल पाया। अब तस्मानिया के शोधकर्ता विंसेंट लाइन ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि उन्होंने इस विमान को खोज निकाला। उन्होंने दावा किया कि विमान को विमान को जान बूझकर हिंद महासागर के 20,000 फीट गहरे ब्रोकन रिज में गिराया गया है। शोधकर्ता विंसेंट लाइन ने कहा, एचएच370 के गायब होने की कहानी, बिना किसी संदेह के 7वें आर्क पर ईंधन की कमी, हाई स्पीड डाइव से लेकर हिंद महासागर में विमान को गायब करने को अंजाम देने का मास्टरमाइंड पायलट की तरफ इशारा करता है। यह मिशन कामयाब हो गया होता अगर विमान का दाहिना पंख लहरों के बीच से नहीं निकला होता। विंसेंट लाइन यूनिवर्सिटी ऑफ तस्मानिया के इंस्टीट्यूट फॉर मरीन एंड अंटार्कटिक स्टडीज में काम करते हैं। उन्होंने आगे बताया कि विमान के पंखों, फ्लैपों और फ्लैपरॉन को हुए नुकसान से पता चलता है कि यह घटना जान बूझकर किया गया है।

कनाडा में रह रहे भारतीय छात्रों पर मंडरा रहा निर्वासन का खतरा, नई नीति के खिलाफ सड़कों पर उतरे युवा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में सैंकड़ों भारतीय छात्रों ने नई संघीय नीति के खिलाफ प्रदर्शन किया। दरअसल इस नीति के चलते कनाडा में पढ़ाई कर रहे विदेशी छात्रों पर निर्वासन का खतरा मंडरा रहा है और इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। दरअसल कनाडा सरकार ने हाल ही में अपनी आव्रजन नीति में कुछ बदलाव किए हैं। इन बदलावों के चलते 70 हजार से अधिक स्नातक छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में पड़ गया है।

कनाडा के विभिन्न प्रांतों में हो रहे प्रदर्शन : भारतीय छात्रों ने कनाडा के प्रिंस एडवर्ड आइलैंड प्रांत की विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसी तरह से प्रदर्शन ओंटारियो, मैनिटोबा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांतों में भी हो चुके हैं। आव्रजन नीति में बदलाव के तहत कनाडा की सरकार स्थायी निवास के नामांकन की संख्या को 25 प्रतिशत तक कम करने की तैयारी कर रही है, साथ ही कनाडा में पढ़ाई के लिए मिलने वाले परमिट को भी कम किया जाएगा। गौरतलब है कि कनाडा में बीते कुछ वर्षों में जनसंख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और इस जनसंख्या बढ़ोतरी में करीब 97 प्रतिशत अप्रवासी लोग शामिल हैं। यही वजह है कि कनाडा की सरकार देश में आने वाले अप्रवासियों की संख्या को सीमित करना चाहती है।

छात्रों को सता रही अपने भविष्य की चिंता : छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाने वाले समूह नौजवान सपोर्ट नेटवर्क के प्रतिनिधियों का कहना है कि इस साल के अंत में जब छात्रों के वर्क परमिट समाप्त हो जाएंगे, तो उन्हें निर्वासित किया जा सकता है। छात्रों का कहना है कि उन्होंने कनाडा आने के लिए कई तरह के जोखिम उठाए हैं। वह यहां पढ़ाई करके काम कर रहे हैं और टैक्स दे रहे हैं, लेकिन अब उन पर निर्वासन की तलवार लटक रही है। कुछ छात्रों का कहना है कि उन्होंने कनाडा में स्थायी निवास प्राप्त करने के लिए अपने कॉलेज की ट्यूशन फीस में अपने परिवार की जीवन भर की बचत खर्च कर दी है।

विदेशी कर्मचारियों की संख्या भी कम करेगी कनाडा सरकार : कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की सरकार पर इन दिनों अस्थायी निवासियों की संख्या कम करने का भारी दबाव है। इसकी वजह ये है कि कनाडा में हाल के समय में मकान की कीमतें और बेरोजगारी दर बहुत ज्यादा बढ़ गई है। कनाडा में अगले साल चुनाव होने हैं और विभिन्न सर्वेक्षण में ट्रूडो सरकार पिछड़ रही है। यही वजह है कि सरकार ने आव्रजन नीति में बदलाव कर अस्थायी निवासियों की संख्या में कमी करने का दांव चला है। कनाडा सरकार अपने देश में विदेशी कर्मचारियों की संख्या भी कम कर रही है। रोजगार और सामाजिक विकास कनाडाके आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में 183,820 अस्थायी विदेशी कर्मचारी परमिट दिए गए, जो 2019 की तुलना में 88 प्रतिशत ज्यादा हैं।जहां बेरोजगारी दर 6 प्रतिशत या उससे ज्यादा है। हालांकि खेती, खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण क्षेत्र और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों को विदेशी कामगारों की भर्ती में छूट मिलेगी। कनाडा की सरकार ने तीन वर्षों में अस्थायी निवासी आबादी को कनाडा की कुल आबादी के 5प्रतिशत तक कम करने के लिए और अधिक उपाय करने का भी वादा किया है।

ट्रंप-हैरिस 10 सितंबर को होने वाली प्रेजिडेंशियल डिबेट में माइक बंद रखने पर हुए राजी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के साथ 10 सितंबर को होने वाली प्रेजिडेंशियल डिबेट के लिए माइक को बंद रखने का समझौता किया है। इस डिबेट में उन्ही नियमों के तहत आगे की चर्चा होगी, जो टीवी चैनल सीएनएन द्वारा आयोजित डिबेट में थे। हालांकि कमला हैरिस ने एबीसी न्यूज द्वारा होस्ट की जाने वाली इस डिबेट की पुष्टि अभी तक नहीं की है।

सोमवार को दोनों उम्मीदवारों में बहस को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की टीम ने माइक्रोफोन को खुला रखने की मांग की। इसके अलावा ट्रम्प ने नेटवर्क के पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाते हुए डिबेट नहीं करने की धमकी दी। ट्रंप ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि अगले महीने होने वाली प्रेजिडेंशियल डिबेट के नियम जून महीने में सीएनएन पर हुई राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ डिबेट वाले ही रहेंगे। ज्ञात हो कि इसी डिबेट में कमजोर प्रदर्शन की वजह से राष्ट्रपति बाइडेन

राष्ट्रपति की उम्मीदवारी से बाहर हो गए थे, जिसके बाद कमला हैरिस को नया डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित किया गया। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि यह डिबेट खड़े होकर होगी और किसी को भी कोई नोट्स रखने की इजाजत नहीं होगी। ट्रंप आगे कहते हैं कि एबीसी न्यूज चैनल द्वारा हमें पहले ही यह आश्वासन दिया जा चुका है कि यह डिबेट निष्पक्ष और न्यायसंगत होगी, साथ ही किसी भी उम्मीदवार को पहले से ही प्रश्न रखने की इजाजत नहीं होगी। इससे पहले हैरिस की टीम ने कहा था कि प्रसारणकर्ताओं को पूरे कार्यक्रम के दौरान उम्मीदवारों के माइक्रोफोन को चालू रखने चाहिए, न कि जब उनका प्रतिद्वंद्वी बोल रहे हों, जैसा कि पिछली राष्ट्रपति बहस में हुआ था। तथाकथित हॉट माइक राजनीतिक उम्मीदवारों की मदद या नुकसान कर सकते हैं, जो कभी-कभी उन टिप्पणियों को पकड़ लेते हैं जो कभी-कभी जनता के लिए नहीं होती हैं।

यूक्रेन ने रूस में 100 बस्तियों पर कब्जा करने का किया दावा

कीव/मास्को, एजेंसी। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ ओलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि 6 अगस्त को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में घुसने के बाद से यूक्रेनी सैनिकों ने 100 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। मंगलवार को इंटरफैक्स-यूक्रेन समाचार एजेंसी ने सिरस्की के हवाले से कहा, हम आगे बढ़ रहे हैं, रूसी सैनिकों को महत्वपूर्ण नुकसान हो रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि रूस ने अन्य क्षेत्रों से लगभग 30,000 सैनिकों को कुर्स्क में फिर से तैनात किया है और यूक्रेनी बलों को चारों ओर से घेरने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसके विशेष बलों ने कुर्स्क क्षेत्र के सुदझा जिले में एक ऊंचाई वाली जगह को सुरक्षित करने के लिए एक अभियान चलाया है। यह क्षेत्र पहले यूक्रेन के कब्जे में था।

यह ऊंचाई वाली जगह यूक्रेनी ठिकानों से 400-500 मीटर दूर स्थित है। रूसी सैनिक अब यूक्रेनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं। सिरस्की ने कहा कि यूक्रेन ने अपने सुमी क्षेत्र में गोलीबारी को रोकने के लिए एक बफर ज़ोन बनाने के उद्देश्य से कुर्स्क में अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि उनके सैनिक आगे बढ़ रहे हैं और उन्होंने 594 रूसी सैनिकों को पकड़ लिया है। सिरस्की के अनुसार, रूस अन्य मोर्चों से सैनिकों को वापस बुलाकर यूक्रेन का विरोध

करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में पोक्रोवस्क मोर्चे से सेना वापस नहीं हटा रहा है, जहां उन्होंने कहा कि स्थिति कठिन बनी हुई है। 5-6 अगस्त की रात से ही कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने सीमा से लगभग 10 किमी (6.2 मील) दूर सुदज़ा शहर के पास इस क्षेत्र में प्रवेश किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कीव पर बड़े पैमाने पर उकसाने और अंधाधुंध गोलीबारी करने का आरोप लगाया, तथा इस आक्रमण को आतंकवादी हमला बताया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने स्वीकार किया कि यह यूक्रेन के सैनिकों द्वारा किया गया एक ऑपरेशन था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका लक्ष्य रूसी हमलों के विरुद्ध बफर ज़ोन बनाना है।

अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय का दावा, अपराध दर में 30 प्रतिशत की गिरावट हुई

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय ने मंगलवार को दावा किया कि देश भर में अपराध दर में 30 फीसदी की गिरावट आई है। राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। काबुल में मंगलवार को वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए उप गृह मंत्री मोहम्मद नबी ओमारी ने दावा किया कि देश में सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुआ है। बढ़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था के कारण नागरिक सुरक्षित रह पा रहे हैं और प्रांतों के बीच सुरक्षित यात्रा कर पा रहे हैं। ओमारी ने कहा कि मंत्रालय की गतिविधियां अब तालिबान नेता मुल्ला हिबतुल्लाह अखुंदजादा के आदेशों और अदालती फैसलों के अनुसार व्यवस्थित रूप से देश को संचालित कर रही हैं। मंत्री ने कहा, देश भर में अपराध दर में 30 प्रतिशत की कमी राष्ट्रीय सुरक्षा बलों द्वारा किए गए अथक प्रयासों का प्रमाण है। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों को पेशेवर बनाने और सुसज्जित करने के लिए कदम उठाए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पुलिस अब किसी भी खतरे का मुकाबला करने में पूरी तरह सक्षम है। जानकारी देते हुए ओमारी ने कहा कि अपहरण की घटनाओं को सुलझाने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए 250 अभियानों में 34 अपहरणकर्ता मारे गए हैं और 76 को गिरफ्तार किया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं, जिसके तहत अफीम की खेती को नष्ट किया जा रहा है, नशे के आदी लोगों का उपचार किया जा रहा है तथा मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने बताया, पिछले वर्ष, अधिकारियों ने 3,643 टन मादक पदार्थ जब्त किए, 790

नशीली दवाओं के उत्पादन और प्रसंस्करण सुविधाओं को नष्ट किया और 10,564 संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त, 27,891 नशे के आदी लोगों को उपचार केंद्रों में भेजा गया और 17,651 हेक्टेयर भूमि से अफीम की खेती को हटा दिया गया। मंत्रालय ने कहा, विभिन्न हवाई अड्डों से बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद हुए हैं जिसमें 1.95 मिलियन डॉलर, 845,000 यूरो, 4.83 मिलियन सऊदी रियाल और 100,000 दिरहम शामिल हैं। इसकी तस्करी करने की कोशिश करने वाले लोगों को सलाखों के पीछे डाल दिया गया है। ओमारी ने कहा, अधिकारियों ने 344 किलोग्राम मादक पदार्थ और एक किलोग्राम से अधिक सोना भी जब्त किया, जिसमें पिछले 12 महीनों के दौरान 591 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

संपादकीय

राष्ट्रपति की निराशा

यह एक विरल अवसर है, जब देश की राष्ट्रपति ने बलात्कार और हत्या के मामले पर गहरी निराशा और भय का इजहार किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस महीने की शुरुआत में कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या के संबंध में अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी की है और उसके बाद देश में सियासी सरगर्मी का बढ़ना तय है। राष्ट्रपति ने ऐसा क्यों किया, इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा है कि 'बहुत हो गया।' उन्होंने समाज को 'सामूहिक स्मृतिलोप' का शिकार बताकर झकझोरा है। कोई शक नहीं कि महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा गंभीर मामला है और इसे लेकर खूब राजनीति भी हो रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में समाज और शासन के स्तर पर उबाल का माहौल है। जब मामला सर्वोच्च न्यायालय की निगाह में है और सीबीआई भी जांच कर रही है, तब राष्ट्रपति के बयान को तरह-तरह से समझने की कोशिशें हो रही हैं। राष्ट्रपति की टिप्पणी के बाद ममता बनर्जी की शिकायतों का पुलिंदा भी और बढ़ जाएगा। बहरहाल, लोकतंत्र में राजनीति को नहीं रोका जा सकता, लेकिन समाज को अपने स्तर पर राष्ट्रपति के तीखे उद्गार के निहितार्थ को समझना होगा। राजनीति से परे जाकर देखिए, तो ऐसी जघन्य घटनाएं ईमानदार, निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण की जरूरत की ओर इशारा करती हैं। यह सही है कि हम अपने कटु अनुभवों को भी भूल जाते हैं। भूलने की बीमारी वाकई चिंता और विमर्श का विषय है। क्या ऐसी घटनाओं के प्रति समाज को सतत जागरूक रखने के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं? क्या सभी सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा संबंधी संदेशों को स्थायी रूप से प्रदर्शित करना चाहिए? महिलाओं को जो लोग कमतर या कमजोर समझते हैं, उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। क्या समाज को कोसने के बजाय राजनीतिक दलों को पहले अपने गिरेबान में नहीं झांकना चाहिए? ऐसे लोग बहुत हैं, जो महिला शोषण की आदत डाले हुए हैं, उन्हें कैसे रेखांकित या चिह्नित किया जाए? राष्ट्रपति ने अगर सामूहिक स्मृतिलोप की निंदा की है, तो अब सरकारों का यह दायित्व है कि वे इस बीमारी का यथोचित इलाज करें। मणिपुर में क्या हुआ था? एक वंचित आबादी ने दूसरी वंचित आबादी का शोषण किया था। और तो और, शोषण और अत्याचार में महिलाएं भी शामिल थीं। महिलाओं ने पुलिस ही नहीं, सेना को भी काम करने से रोका था। केवल निंदा, दुख और रोष से कुछ नहीं होने वाला, जमीन पर उतरकर काम करना पड़ेगा। समाज और उसके कर्णधारों को आईना दिखाना पड़ेगा। यह पूरा विमर्श केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित न रहे, तो ज्यादा बेहतर है। महिला शोषण किसी एक राज्य का मामला नहीं है। केरल में तो जिस मनोरंजन उद्योग को सबसे संवेदनशील और सृजनशील माना जाता है, वहां भी चंद सफेदपोशों ने महिला शोषण से एक नरक ही रच दिया है। ध्यान रहे, फिल्म उद्योग में घिनौने शोषण को उजागर करने वाली हेमा रिपोर्ट को चार साल से ज्यादा समय तक दबाए रखा गया। अब रिपोर्ट सामने आ गई है, तो दोषियों के खिलाफ 17 मामले दर्ज हो चुके हैं। विडंबना देखिए, महिला शोषण की सनसनीखेज रिपोर्ट को स्वयं वहां की सरकार ने दबाए रखा था। यह समस्या हमें मुंह चिढ़ा रही है और कहीं भी इसे छिपाने की कोशिश वास्तव में किसी भी राज्य की यशगाथा में दाग लगाने की साजिश से कम नहीं है।

आज का राशिफल

मेष — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला — आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

(लेखक- ललित गर्ग)

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दु:खद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था। सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के ईर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा।

लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषत: राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई फ्रिश्वतफ्र छू नहीं सके, जिसको कोई फ्रसिफारिशफ्र प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

देश में नैतिक पतन जारी हैः इसे कैसे रोका जाए?

(लेखक- एल.एस. हरदेनिया)

पश्चिम बंगाल और केरल सांस्कृतिक दृष्टि से देश के सर्वोपरि राज्य हैं। दोनों राज्यों को देश के महान संस्कृतकर्मियों ने योगदान दिया है। बंगाल में रवीन्द्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा, सुभाषचन्द्र बोस, ज्योति बसु, आदि शामिल हैं। अनेक कवि, सत्यजीत रे समेत अनेक फिल्मकर्मियों ने जन्म लिया है, ऐसे महान राज्य में एक महिला डाक्टर के साथ जो कुछ हुआ वह बंगाल के चेहरे पर कालिख है। इस महिला डाक्टर के साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया वरन् उसकी हत्या भी की गई। घटना के बाद जो तथ्य सामने आ रहे हैं उनसे लगता है कि वह अनेक गुप्त बातों की जानकार थी जो मेडिकल प्रोफेशन में नहीं होना थी। वह इन बातों को उजागर करे उसके पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

केरल देश का संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि क्षेत्रों में देश का ही नहीं वरन् दुनिया में भी सर्वोपरि है। अभी हाल में जाहिर किए गए आंकड़े से पता लगा है कि एक लाख में से 19 माताएँ या तो बच्चे के जन्म देने के तुरंत बाद या गर्भावस्था के दौरान मर जाती हैं। यह आँकड़ा अमरीका से भी आगे है। उसके विपरीत उत्तरप्रदेश में 1 लाख में से 167, मध्यप्रदेश में 173 असम में 195 महिलाएँ मृत्यु को प्राप्त होती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 100 प्रतिशत आबादी शिक्षित हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इसी तरह पूरे देश में वह सर्वोच्च शिखर पर है। ऐसे प्रदेश में वहां के फिल्म जगत में काम करने वाली महिलाओं ने अपने साथ दुष्कर्म की शिकायत की। उनकी शिकायत के चलते वहां की सरकार ने एक अवकाश प्राप्त हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। इस आयोग ने वहां की सुप्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत को सुना और यह आयोग इस नतीजे पर पहुंचा कि वहां की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत सही है। इस आयोग की रिपोर्ट 2019 में मुख्यमंत्री को भेजी गई। परंतु किन्हीं कारणों से मुख्यमंत्री ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। इस बीच उन पर दबाव बढ़ता रहा और इस माह में रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। रिपोर्ट सार्वजनिक करने में इतनी देर क्यों हुई इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अनेक प्रकार के स्पष्टीकरण दिये हैं जिनमें एक स्पष्टकीरण के अनुसार उनका कहना था कि देरी के लिए आयोग के अध्यक्ष ने स्वयं रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने का सुझाव दिया था।

कारण जो भी हो परंतु मलियालम में बनी फिल्में अद्भुत समझी जाती हैं। इन फिल्मों को बनाने में जिन अभिनेत्रियों का योगदान रहता है उनके साथ इस तरह का व्यवहार केरल को शर्मसार करने वाली घटना है।

हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारतवर्ष शीघ्र ही विश्वगुरू बनेगा। परंतु जो विश्वगुरू बनने वाला है उसके 150 सांसदों एवं विधायकों के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इन मामलों में कुछ दुष्कर्म के भी मामले हैं। जिस देश के 150 जनप्रतिनिधि अपराधों में शामिल हों वह कैसे विश्वगुरू बन पायेगा।

हमारे देश में इस समय महिलाओं के साथ दुष्कर्म और अनेक अपराधों की खबरें आ रही हैं। महाराष्ट्र में अभी हाल में जो घटना हुई उसकी तो कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। एक स्कूल की 4 साल की दो बच्चियों के साथ उसी स्कूल में काम करने वाले एक कर्मचारी ने दुष्कर्म किया। उसी महाराष्ट्र में कुछ दिनों बाद एक 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की खबर सामने आई। असम में भी ट्यूशन से घर वापिस आ रही एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। इसके विरोध में असम में पूरे राज्य में प्रदर्शन हुए। परंतु इस घटना को लेकर वहां के मुख्यमंत्री ने जो प्रतिक्रिया जाहिर की वह चैंकाने वाली है। इस बच्ची के साथ अपराध करने वाला व्यक्ति अल्पसंख्यक पाया गया। इस बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में यहां के मूल निवासी अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। शायद उनका किसकी ओर है यह वही बता सकते हैं।

समाज में आए दिन सभी रिश्तों को तोड़ते हुए घटनाएं हो रही हैं। एक समाचार के अनुसार एक पत्नी ने अपने बेटे के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या में तकिये का उपयोग किया गया। हत्या इसलिए की गई क्योंकि अपने पति की इस दूसरी पत्नि की निगाह अपने पति के रिटायर होने पर मिली भारी रकम पर नज़र थी। उसको डर था कि उसका पति उनकी पहली पत्नि की संतानों को रकम का भारी हिस्सा दे देंगे। ऐसी स्थिति पैदा हो इसके पहले ही उसने अपने पति की हत्या कर दी। जिस पत्नि ने हत्या की वह स्वयं अपने पहले पति को तलाक देकर दूसरी शादी की थी।

एक और मामले में एक पति ने अपनी पत्नि की हत्या करके स्वयं थाने को सूचित कर दिया कि उसने अपनी पत्नि की हत्या की है। कारण उसे अपनी पत्नि के चरित्र पर संदेह था। इस तरह की घटनाएँ आएदिन हो रही हैं। पति-पत्नि का रिश्ता अत्यधिक विश्वास का रिश्ता होता है। परंतु उसमें भी कभी भी खटाई पड़ जाती है और हत्या के समान जघन्य अपराध हो जाते हैं। एक अखबार में खबर छपी है कि कुछ लोग महिलाओं के या बच्चियों के साथ दुष्कर्म का वीडियो बनाते हैं और फिर उस वीडियो को भारी कीमत पर बेचते हैं। इस अखबार के अनुसार यह एक बड़ा धंधा हो गया है। इसलिए इस तरह की खबरे पढ़ने को मिलती हैं कि महिला या बच्ची अपने को दुष्कर्म से मुक्त करने के लिए अपील करती हैं परंतु उसे बचाने के स्थान पर लोग उसका वीडियो बनाने में लगे रहते हैं। इस तरह की घटनाएं ही इस बात का सबूत है कि इंसान की संवेदनशीलता को क्या हो गया है? हम लाखों की संख्या में प्रवचन सुनने जाते हैं परंतु उस प्रवचन से हमारी आत्मा पर क्या असर हुआ यह ज्ञात नहीं होता है।

अभी हाल में महाराष्ट्र में एक हिन्दू संत ने इस्लाम के पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक बातें की। उसकी प्रतिक्रिया में मध्यप्रदेश के छतरपुर नाम के स्थान पर मुसलमानों ने रोष प्रकट किया। थाने का घेराव किया और पुलिसकर्मियों को घायल किया। इस घटना के विरोध में पुलिस और प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की। कार्यवाही के फलस्वरूप एक धनी मुस्लिम के मकान को नेस्तनाबूद कर दिया गया। न सिर्फ मकान को नेस्तनाबूद किया बल्कि जो वाहन वहां थे उनको भी तोड़ डाला। क्या वाहन भी प्रदर्शन में शामिल थे? फिर मकान को नेस्तनाबूद करने के पहले इस बात की भी जानकारी नहीं ली गई उसकी कानूनी स्थिति क्या है। यह भी बताया गया कि इस विशाल मकान के भीतर जो मूल्यवान वस्तुएं थीं जैसे गहने, टीवी, फ्रिज उनका क्या हुआ। यदि मकान गैरकानूनी था तो जब वह बन रहा था तब उसका निर्माण क्यों नहीं रोका गया। इस तरह की घटनाएं मध्यप्रदेश के और स्थानों पर भी हुई हैं और उत्तरप्रदेश में तो बड़े पैमाने पर हो रही हैं।

ऐसी घटनाओं के बारे में क्या रवैया अपनाया जाए यह कहना मुश्किल है क्योंकि उसके पीछे बड़े-बड़े प्रभावशाली व्यक्तियों का हाथ है ऐसा आरोप लगाया जाता है। कुल मिलाकर समाज में चाहे महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो या अन्य अपराध हों लगभग कानून अपने हाथ में लिया जा रहा है। इनको रोकने के लिए क्या किया जा सकता है? यह एक विचारणीय प्रश्न है?

इस समय बुलडोजर ऐसे मकान पर भी चला दिया जाता है जिसमें रहने वाले परिवार के केवल एक सदस्य ने अपराध किया हो। एक व्यक्ति द्वारा किए गए अपराध की सज़ा पूरे परिवार को क्यों दी जाती है? फिर हमारे देश के कानून के अनुसार अपराधी को सज़ा देने का अधिकार न्यायपालिका का है न कि पुलिस का। परन्तु आये दिन बुलडोजर चलाकर सज़ा पुलिस वाले दे रहे हैं जो सरासर गैरकानूनी है।

विचार मंथन

ममता की लड़ाई पर भाजपा की सारथी बनी राष्ट्रपति मुर्मू?

(लेखक- सनत जैन)

भारत की राजनीति में पहली बार राजनीतिक दलों की लड़ाई में राष्ट्रपति की भूमिका से सभी हैरान हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में घटना के 20 दिन बाद एक बयान जारी किया है। इस बयान में राष्ट्रपति ने कहा है, कोलकाता की घटना से वह बहुत निराश और डरी हुई हैं। अब बहुत हो चुका है, समाज को ऐसी घटनाओं को भूलने की खराब आदत को बदलना होगा। जिस घटना का राष्ट्रपति महोदया ने जिक्र किया है, उस तरह की घटनाएं भारत के विभिन्न राज्यों में हर दिन घट रही हैं। 1 साल से अधिक समय हो गया है, मणिपुर में कोलकाता से भी ज्यादा बड़ी वीभत्स घटनाएं हुई थीं। घटनाएं अभी भी हो रही हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के बदलापुर में भी छोटी-छोटी बच्चियों का यौन उत्पीड़न हुआ। जब पुलिस ने घटना की रिपोर्ट नहीं लिखी और कार्यवाही नहीं की। ऐसी स्थिति में लोगों को सड़कों पर उतरना पड़ा। ऐसे कई मौके आए, पर राष्ट्रपति का कोई बयान कभी नहीं आया। कोलकाता की इस घटना के बाद बंगाल भाजपा ने कोलकाता में तब सड़क पर मोर्चा खोला, जब सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ज़ब इस मामले की निगरानी कर रहे हैं। बंगाल के राज्यपाल सतत हस्तक्षेप कर रहे हैं। इस घटना के बाद जो राजनीति पश्चिम बंगाल में हो रही है। वह भाजपा की पश्चिम बंगाल में अंतिम लड़ाई जैसी दिख रही है। कभी डॉक्टरों के पीछे छिपकर, कभी जनता के पीछे छिपकर, भारतीय जनता पार्टी अपनी हार का बदला लेने का हर संभव प्रयास कर रही है। पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में दो लोकसभा और दो विधानसभा के चुनाव मे पराजय का सामना करना पड़ा है। एक अकेली महिला ममता बनर्जी जिस तरह से भाजपा से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं, वह देश में दिल्ली के अलावा अन्य राज्य में देखने को नहीं मिला। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। अभी भी वह केंद्र सरकार और भाजपा के लिए चुनौती बने हुए हैं। दिल्ली और पश्चिम बंगाल की सरकारें, भाजपा के लिए कड़ी चुनौती हैं। कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई घटना से भाजपा को ऐसा लगा कि ममता बनर्जी के खिलाफ पर्याप्त दबाव बनाकर इस्तीफा लिया जा सकता है। वह इस्तीफा नहीं देंगी, तो इस बहाने पश्चिम बंगाल की सरकार को केंद्र बर्खास्त कर इस लड़ाई को जीत लेगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जिनके ऊपर खुद एक महिला ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। वह भी दिल्ली जाकर गृहमंत्री और राष्ट्रपति से मिल चुके हैं। राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की सड़कों पर आंदोलन को जन नाराजी का प्रतीक बताकर बांग्लादेश का उल्लेख करते हुए कुर्सी छोड़ने की मांग कर दी। ममता बनर्जी पर इसका कोई असर नहीं हुआ। उल्टे वह आक्रामक तरीके से केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ सड़क पर उतरकर हत्यारे के लिए फांसी की मांग कर रही हैं। सीबीआई की जांच करने के बाद तथा एक हफ्ते से ज्यादा समय होने के बाद ममता बनर्जी के सर से जैसे बिच्छू उतर गया है। वही बिच्छू अब भाजपा के ऊपर है। ममता बनर्जी अब सीबीआई और केंद्र सरकार से जवाब मांग रही हैं। ऐसे समय पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह कहना गलत मानसिकता वाले लोग महिलाओं को अपने से कम समझते हैं, उन्होंने कहा कि निर्भया कांड के 12 सालों में रेप की अनगनित घटनाओं को समाज ने भुला दिया है। समाज की भूलने की सामूहिक आदत घृणित है। राष्ट्रपति ने यह भी कह डाला, इतिहास का सामना करने से डरने वाला समाज, इस तरह की घटनाओं में भूलने का सहारा लेता है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला खिलाड़ियों के साथ यौन अपराध के मामले में जिस तरह से केंद्र सरकार इतनी चुप्पी साध रखी थी। आरोपी को पाक्सो की गिरफ्तारी से बचाया गया था। महिला खिलाड़ियों के साथ दिल्ली पुलिस ने क्या बर्बरता की थी। उस समय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की चुप्पी से लोगों में निराशा थी। राजनीतिक लड़ाई में कभी राष्ट्रपति की भूमिका इस तरह से देखने को नहीं मिली। जो अब मिली है। पहली बार देश में राष्ट्रपति पद को लेकर, यह कहा जाने लगा है। पिछले 10 वर्षों से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। कई राज्यों में 15-20 वर्षों से भाजपा की राज्य सरकारें हैं। डबल इंजन की सरकारों के होते हुए राज्यों में यौन उत्पीड़न, रेप और हत्या की घटनाएं महिलाओं के साथ बढ़ रही हैं।

1 साल पहले मणिपुर की घटनायें, ना भूतो और ना भविष्यति की तरह थी। जहां पर महिलाओं को नग्न करके घुमाया गया था। सार्वजनिक रूप से उनके गुप्तांगो से छेड़छाड़ की गई थी।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की नि:शुल्क विधि प्रात:कालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अत: जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्राय: मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अत: प्रात: शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अत: इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अत: उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

-अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

-जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

-पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

-सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

-बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

-अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

-अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

-पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

-एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

-अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

-अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

-अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

-मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

-इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

-सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

-आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

-नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्राय: संकुचित होती हैं। ये लोग प्राय: हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

मुंकेश अंबानी का करोड़ों शेयरधारकों को एक पर एक ऑफर

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 5 सितंबर को होने वाली बैठक में 1:1 बोनस शेयर इश्यू के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तब रिलायंस के शेयरधारकों को प्रत्येक शेयर के बदले एक अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेगा। यह कदम कंपनी के शेयरधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है, इससे शेयरधारकों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। बोनस इश्यू आमतौर पर कंपनियों द्वारा शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है। रिलायंस ने अपनी इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी स्टॉक एक्सचेंजों को दी है, जिससे निवेशकों और बाजार में हलचल पैदा हो गई है। बोनस शेयर कंपनी द्वारा अपने मौजूदा शेयरधारकों को दिए जाने वाले अतिरिक्त शेयर होते हैं। ये शेयर कंपनी के लाभांश के रूप में नहीं दिए जाते हैं, बल्कि कंपनी के रिजर्व से दिए जाते हैं। जब कोई कंपनी बोनस शेयर जारी करती है, तब इसके मौजूदा शेयरों की संख्या बढ़ती है, लेकिन कंपनी की कुल संपत्ति में कोई बदलाव नहीं होता है। जब किसी कंपनी का शेयर मूल्य बहुत अधिक हो जाता है, तब शेयर को छोटे निवेशकों के लिए खरीदना मुश्किल हो जाता है। बोनस शेयर जारी करके कंपनी शेयर की कीमत को कम कर सकती है, जिससे यह अधिक लोगों के लिए सुलभ हो जाता है। बोनस शेयर जारी करके कंपनी अपने शेयरधारकों को खुश कर सकती है और उनके विश्वास को बढ़ा सकती है।

कच्चा तेल 79 डॉलर, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। देश में गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत पहले के जैसी बनी हुई है। वैश्विक बाजार में हफ्ते के चौथे दिन गुरुवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.12 डॉलर के साथ 78.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.18 डॉलर की उछाल के साथ 74.67 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है। तेल कंपनियों की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध है।

रिलायंस की एजीएम में हो सकती है आईपीओ की घोषणा

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अपनी 47वीं वार्षिक आम बैठक गुरुवार को दोपहर 2 बजे आयोजित कर रही है। इस बैठक को कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करेंगे। मीटिंग में शामिल होने के लिए जियोमीट का उपयोग किया जा सकता है। इस बैठक के दौरान रिलायंस जियो इन्फोकॉम और रिलायंस रिटेल के आईपीओ से संबंधित घोषणाएं हो सकती हैं, जो लंबे समय से चर्चा में हैं। इसके अलावा कंपनी के नए ऊर्जा कारोबार को लेकर भविष्य की योजनाओं के अपडेट पर भी शेयर बाजार की नजरें टिकी रहेंगी। एजीएम से पहले रिलायंस के शेयरों में मामूली तेजी है। शेयर गुरुवार को 3000 रुपए के करीब कारोबार कर रहा है। एक साल में रिलायंस के शेयर ने 23 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं 6 महीने में शेयर केवल 2.50 फीसदी चढ़ा है। वहीं एक महीने में शेयरों में करीब 1.5 फीसदी की गिरावट रही है।

रिलायंस और डिज्नी हुए एक, सीसीआई ने विलय को दी मंजूरी

8.5 अरब डॉलर का हुआ समझौता, एंटरटेनमेंट सेक्टर में आएगा बदलाव

नई दिल्ली।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और वॉल्ट डिज्नी को भारतीय मीडिया एसेट के विलय को मंजूरी मिल गई है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने इस विलय को मंजूरी दे दी है। यह 8.5 अरब डॉलर यानी करीब 70,350 करोड़ रुपए का मर्जर समझौता है। इस विलय के तहत एक नई संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी बनाई जाएगी, जो प्रमुख मीडिया और एंटरटेनमेंट एसेट्स को एक साथ लाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज को जेवी में 16.35फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी, वायकॉम-18 को 46.82फीसदी और डिज्नी के पास 36.84फीसदी हिस्सेदारी रहेगी। यह विलय डिज्नी के मीडिया एसेट्स को रिलायंस के मौजूदा मीडिया ऑपरेशंस के साथ जोड़ देगा, जिसमें वायकॉम-18 भी शामिल है। सीसीआई की मंजूरी के बाद आयोग ने बाजार में प्रतिस्पर्धा पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच के बाद कुछ शर्तें भी लगाई हैं। इन शर्तों का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताओं को दूर करना है, जैसा कि सोशल मीडिया एक्स पर अपडेट में बताया गया है। इस विलय से डिज्नी की मीडिया सामग्री और रिलायंस की बाजार उपस्थिति एक साथ आएंगी, जिससे भारतीय मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर में बदलाव नजर आएगा। नई जेवी को उम्मीद है कि यह बाजार की गतिशीलता को बदल देगी और दोनों कंपनियों के संसाधनों और कंटेंट पोर्टफोलियो को एक

साथ लाएगी। यह डील करीब दह महीने पहले हुई थी। एक्स पर पोस्ट में नियामक आयोग ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, वायकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, डिजिटल18 मीडिया लिमिटेड, स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और स्टार टेलीविजन प्रोडक्शन लिमिटेड को शामिल करने वाले प्रस्तावित संयोजन को स्वैच्छिक संशोधनों के अनुपालन के अधीन मंजूरी दे दी है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.89 रुपये पर बंद हुआ जबकि गत दिवस ये 83.97 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे बढ़कर 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.97 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ ही 100.92 पर पहुंच गया।

वोडा-आइडिया को 15.19 करोड़ भुगतान करने का आदेश

- कंपनी पर 1.51 करोड़ रुपये जुर्माना भी लगाया गया

नई दिल्ली । जीएसटी विभाग ने दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) को 15.19 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। कंपनी पर 1.51 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पटना स्थित जीएसटी कार्यालय ने उस पर यह जुर्माना वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 में पात्र नहीं होने के बाद भी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का फायदा उठाने के लिए लगाया है। वीआईएल ने कहा कि वह इस आदेश से सहमत नहीं है और इस पर समुचित कानूनी कार्यवाही करेगी। कंपनी ने कहा कि पटना में सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क के संयुक्त आयुक्त ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत एक आदेश पारित किया, जिसमें 1,51,92,035 रुपये जुर्माना और देय ब्याज के साथ 15,19,20,351 रुपये की मांग की गई। कंपनी को 28 अगस्त को एक आदेश मिला जिसमें वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए अयोग्य इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने का आरोप लगाया गया है। कंपनी ने कहा, अधिकतम वित्तीय प्रभाव कर मांग, ब्याज और लगाए गए जुर्माने की सीमा तक है। कंपनी आदेश से सहमत नहीं है और उचित कार्यवाही करेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 82,134 , निफ्टी 25,151 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स के शेयर रिकॉर्ड उछाल के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 349.05 अंक ऊपर आकर 82,134.61 के स्तर पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.60 अंक उछलकर 25,151.95 अंक पर बंद हुआ। आज इंट्रा डे कारोबार 500.27 अंक तकरीबन 0.61 फीसदी उछलकर 82,285.83 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी बढ़त रही। बेंचमार्क 140.55 अंक करीब 0.56 फीसदी बढ़कर 25,192.90 के नए रिकॉर्ड इंट्रा-डे स्तर पर पहुंच गया था। वहीं व्यापक बाजार की बाते करें तो आज 2,531 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप में 0.27फीसदी और स्मॉलकैप में 0.7फीसदी की गिरावट रही। इससे बाजार पूंजीकरण में 31,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है । इससे मार्केट कैप 462.72 लाख करोड़ रुपये रहा।

आज कारोबार के दौरान

सेंसेक्स पर टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े । टाटा ग्रुप के शेयरों में आज 4.19 फीसदी की बढ़त दर्ज की और 1119.65 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, बजाजा फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, आईटीसी, रिलायंस, टेक महिंद्रा जैसे शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। वहीं सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके शेयर 1.11 फीदसी की गिरावट के साथ ही 2766 रुपये पर बंद हुए। इसके बाद जेएसडब्ल्यू स्टील, सनफार्मा, कोटक बैंक, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक और एशियन पेंट्स के शेयल भी तेजी पर बंद हुए।

दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजारों में आज वॉल स्ट्रीट में हुई गिरावट को देखते हुए कमजोरी आई। दक्षिण कोरियाई चिप दिग्गज एसके हाइनिक्स अपने खुले बाजार में 6 फीसदी गिरा, जबकि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 3 फीसदी से अधिक गिर गया, जिससे कोस्पी 1.3 फीसदी नीचे आ गया। स्मॉल-कैप कोस्डैक 0.55 फीसदी गिर गया।

जापान का निक्की 225 0.56 फीसदी गिरा, जबकि टॉपिक्स 0.14 फीसदी नीचे था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.47 फीसदी नीचे था। वहीं यूरोपीय बाजार में भी बढ़त रही जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजार नीचे आये थे। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गुरुवार को कमजोर रही। बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 लाल रंग में खुले। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.08 फीसदी नीचे 81,717 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 0.11 फीसदी नीचे 25,023 पर खुला।

सरकारी टेलिकॉम कंपनी ने नहीं चुकाया लोन, बैंक ने किए खाते बंद

नई दिल्ली।

सरकारी टेलिकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) बुरे दौर से गुजर रही है वह कर्ज में डूब गई है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बकाया भुगतान नहीं करने पर एमटीएनएल के सभी खातों पर रोक लगा दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कंपनी को लोन नहीं चुकाने पर सभी खाते बंद कर दिए हैं यह जानकारी 21 अगस्त को दी गई थी।

कंपनी ने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 21 अगस्त के पत्र के जरिये एमटीएनएल को बताया कि उसका खाता एनपीए में डाल दिया गया है। इस वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमारे सभी खाते अपने-आप ही फ्रीज हो गए। इससे पहले जुलाई में एमटीएनएल के शेयरों ने जबरदस्त तेजी आई थी। महज 42 रुपए से चढ़कर इसका भाव 101 रुपए पर पहुंच गया यानी एक महीने में पैसा दोगुना से ज्यादा हो गया था लेकिन 29 जुलाई के बाद एमटीएनएल के शेयरों में लगातार गिरावट आती गई और अब यह 60 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। एमटीएनएल ने इन बैंकों से कुल 5,573.52 करोड़ रुपए का लोन ले रखा था। घाटे में चल रही दूरसंचार कंपनी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कुल 7,873.52 करोड़ रुपए उधार लिए हैं और कंपनी का कुल ऋण 31,944.51 करोड़ रुपए है। अगस्त की शुरुआत में एमटीएनएल ने शेयर बाजार को बताया था कि उसने 422.05 करोड़ रुपए के बैंक कर्ज भुगतान में चूक की है। एमटीएनएल

द्वारा साझा किए गए विवरण के मुताबिक, उसने लिए गए कर्जों पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 155.76 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक को 140.37 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ इंडिया को 40.33 करोड़ रुपए, पंजाब एंड सिंध बैंक को 40.01 करोड़, पंजाब नेशनल बैंक को 41.54 करोड़ और यूको बैंक को 4.04 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया है।

बाजार में कच्ची चीनी की बिक्री की अनुमति देने का प्रस्ताव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने देश के बाजारों में कच्ची चीनी को बेचने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है, इस प्रस्ताव से छह दशकों पुराने उस नियम को बदलने की तैयारी की जा रही है जो केवल निर्यात की अनुमति देती थी। यह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। भारतीय मिलें कच्ची चीनी का उत्पादन केवल विदेशी रिफाइनरियों के लिए करती हैं, जो इसे रिफाइंड चीनी में बदलती हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी शुगर (कंट्रोल) ऑर्डर, 2024 के मसौदे में उत्पादन प्रक्रिया में तकनीकी उन्नति को मौजूदा शुगर (कंट्रोल) ऑर्डर, 1966 में संशोधन का कारण बताया गया है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कच्ची चीनी की कीमत परिष्कृत चीनी से बहुत अधिक होती है और यह उद्योग के लिए लाभकारी होनी चाहिए। प्रस्तावित मसौदा गुड़ और खांडसारी पर भी लागू होगा। खांडसारी इकाइयां जिनकी दैनिक पेराई क्षमता 500 टन से अधिक है, प्रस्तावित छूट के तहत आएंगी, जबकि छोटे पैमाने की इकाइयां अपरिवर्तित रहेंगी। वर्तमान में खांडसारी इकाइयां उचित और लाभकारी मूल्य मानदंडों का पालन नहीं करतीं और उन्हें चीनी की तरह अपने उत्पादों की बिक्री के लिए कोटा नहीं मिलता। अधिकारी ने कहा` कि यह चीनी क्षेत्र और मूल्य निर्धारण को विकृत करता है। साथ ही किसान एफआरपी के लाभ से वंचित रह जाते हैं।

वारेन बफे ने बैंक ऑफ अमेरिका के 45000 करोड़ के शेयर बेचे

- बैंक को हुए घाटे से चिंतित थे बफे

न्यूयॉर्क ।

दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी और निवेशक वारेन बफे ने बैंक ऑफ़ अमेरिका के 8245 करोड रुपए के अपने शेयर बेच दिए हैं। पिछले कुछ हफ्तों में वारेन बफे ने अपने शेयरों की बिक्री की है। इस साल बैंक शेयर के दाम 31 फ़ीसदी तक बढ़ चुके हैं। वारेन बफे ने मुनाफा वसूली करते हुए जब अपने शेयर बेचे। तब सारे दुनिया के निवेशकों में हैरानी फैल गई है।

वारेन बफे को दीर्घकालीन निवेश के लिए जाना जाता है। 2008 में जब अमेरिका में आर्थिक मंदी आई थी। उसके बाद 2011 में जब शेयर के दाम सबसे नीचे के स्तर पर थे। उस समय उन्होंने बड़े पैमाने पर अमेरिकी बैंक के शेयर में निवेश किया था।

वारेन बफे के निवेश करने के बाद से पिछले 7 वर्षों से अमेरिकन बैंक के शेयर उच्चतम स्तर पर बने हुए थे। हाल ही की तिमाही में बैंक ऑफ अमेरिका के शुद्ध ब्याज की आय में 109 अरब डॉलर का घाटा पिछले वर्ष के मुकाबले में हुआ है। जो बैंकिंग के क्षेत्र में सबसे बड़ा है। बैंक की आय में गिरावट को देखते हुए बफे ने मुनाफा वसूली करते हुए अमेरिकी बैंक के शेयर बेचना शुरू कर दिए हैं। जिससे हड़कंप मचा हुआ है।

टैक्स बढ़ने का अंदेशा, शेयर बेचने का कारण?

अमेरिका की सरकार अपने कॉरपोरेट टैक्स को बढ़ाने जा रही है। 2025 से अमेरिका में पुराना टैक्स सिस्टम लागू हो सकता है। अमेरिका की सरकार ने 2017 में 35 फ़ीसदी टैक्स की दर को घटाकर 21 फ़ीसदी कर दिया था। 2025 से टैक्स की दरें बढ़ने जा रही हैं।

यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है। वारेन बफे का पूरी दुनिया में कारोबार फैला हुआ है।

इस साल 16 लाख करोड़ की कमाई

बफेट दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में शामिल है। उन्हें बहुत बड़ा होशियार निवेशक माना जाता है। 1 साल में कंपनी का मार्केट कैप 16.79 लाख करोड़ बढ़ गया है। दुनिया के सबसे बड़े निवेशक वॉरेन बफे ने बुधवार को एक ट्रिलियन डॉलर भारतीय मुद्रा में लगभग 84 लाख करोड रुपए के मार्केट कैप को पार किया है। इस मुकाम को हासिल करने वाली दुनिया की बर्कशायर पहली नान टेक कंपनी बन गई है।

बर्कशायर हेथवे के पास अभी भी बैंक ऑफ़ अमेरिका के 90.38 करोड़ शेयर हैं। जिनकी कुल कीमत वर्तमान मूल्य पर 3.01लाख करोड रुपए है। बफे ने जो शेयर बेचे हैं। उसके कारणों का खुलासा नहीं किया है।

एप्पल ने 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन ।

दुनिया की दिग्गज कंपनी एप्पल ने हाल ही में अपने एप्पल बुक्स ऐप और एप्पल बुकस्टोर से कर्मचारियों की छंटनी की है, जिससे कंपनी के लगभग 100 कर्मचारी प्रभो वित हुए हैं। माना जा रहा है कि एप्पल बुक्स अब कंपनी की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है और इसे चलाने के प्रति कंपनी अब उतनी उत्साहित नहीं दिख रही है। हालांकि एप्पल की ओर से एप्पल बुक्स को अपडेट देने का काम जारी रहेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल में छंटनी जैसे कदम बहुत कम ही उठाए जाते हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस बार छंटनी का शिकार ज्यादातर सर्विसेज डिपार्टमेंट के कर्मचारी हुए हैं। इस छंटनी में कई बड़े अधिकारियों को भी निकाला गया है, जिसमें सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एडी क्यू के सर्विसेज ग्रुप के कई लोग शामिल हैं। एप्पल बुक्स और एप्पल बुकस्टोर के कर्मचारियों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है। कंपनी के एक कर्मचारी के हवाले से आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एप्पल बुक्स और एप्पल बुकस्टोर से अब कंपनी को ज्यादा उम्मीदें नहीं रह गई हैं। हालांकि, वह इन्हें अभी चलाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी इस छंटनी के बारे में अभी आधिकारिक ऐलान नहीं कर रही है। हालांकि, एप्पल न्यूज को अभी कंपनी चलाती रहेगी। इससे पहले

एप्पल ने सेल्फ ड्राइविंग कार प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके विफल रहने के बाद सैकड़ों लोगों की छंटनी की गई थी।

बायोकॉन ने बायोसिमिलर दवा पेश करने जैनसेन से किया समझौता

समझौते से बायोसिमिलर, बीएमएबी 1200 के व्यावसायीकरण का रास्ता हुआ साफ

नई दिल्ली ।

बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने यूरोप, ब्रिटेन, कनाडा तथा जापान में ऑटोइम्यून बीमारियों के उपचार के लिए बायोसिमिलर दवा पेश करने के लिए जैनसेन के साथ समझौता किया है। ऑटोइम्यून बीमारियां यानी ऐसी स्थिती जब शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं, ऊतकों तथा अंगों पर हमला करने लगती है। बायोकॉन की अनुषंगी कंपनी ने जैनसेन बायोटेक इंक, जैनसेन साइंसेज आयरलैंड तथा जॉनसन एंड जॉनसन के साथ एक निपटान व लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से स्टेलारा के प्रस्तावित बायोसिमिलर, बीएमएबी 1200 के व्यावसायीकरण का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी ने बयान में कहा कि निपटान समझौते की शर्तों के अनुसार बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने यूरोप, ब्रिटेन, कनाडा और जापान में बाजार में प्रवेश की तारीखों को निश्चित करने के लिए जैनसेन के साथ पेटेंट विवादों को सुलझा लिया है। इन बाजारों में विनियामक दस्तावेजों की वर्तमान में समीक्षा की जा रही है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने इससे पहले अमेरिका में बीएमएबी 1200 पेश करने के लिए भी एक समझौता करने की घोषणा की थी। बायोकॉन बायोलॉजिक्स के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि यह समझौता विज्ञान व नवाचार के हमारे सिद्ध रिकॉर्ड का प्रमाण है। साथ ही हमारे बायोसिमिलर बीएमएबी 1200 को वैश्विक बाजारों में पहुंचाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

पेटीएम को पीपीएसएल में निवेश के लिए सरकार की मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन को पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) में डाउनस्ट्रीम निवेश के लिए सरकार की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह भुगतान एग्रीगेटर (पीए) लाइसेंस के लिए नए सिरे से आवेदन करेगी।

पेटीएम ने कहा कि पीपीएसएल को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग से 27 अगस्त 2024 के एक पत्र के माध्यम से मूल कंपनी से निवेश के लिए मंजूरी मिल गई है। इसके साथ पीपीएसएल भुगतान एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए फिर से आवेदन करेगी। इस बीच पीपीएसएल मौजूदा भागीदारों को ऑनलाइन भुगतान एग्रीगेटर सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नवंबर, 2022 में पेटीएम के भुगतान एग्रीगेटर लाइसेंस परमिट आवेदन को खारिज कर दिया था और कंपनी को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मानदंडों के तहत प्रेस नोट-3 अनुपालन के साथ फिर से आवेदन करने का निर्देश दिया था। प्रेस नोट-3 के अनुसार सरकार ने भारत के साथ स्थलीय सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश के लिए अपनी पूर्व स्वीकृति अनिवार्य कर दी थी। आवेदन खारिज होने के समय, चीन का अलीबाबा समूह कंपनी में सबसे बड़ा शेयरधारक था। आरबीआई के भुगतान एग्रीगेटर दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि एक एकल इकाई भुगतान एग्रीगेटर सेवाओं के साथ-साथ ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस प्रदान करना जारी नहीं रख सकती है और ऐसी भुगतान एग्रीगेटर सेवाओं को ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस कारोबार से अलग किया जाना चाहिए।

एलएलसी 2024 : शिखर धवन गुजरात से जुड़े, गेल के साथ मिलकर मचाएंगे ओपनिंग पर धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले शिखर धवन आगामी लीजेंड्स क्रिकेट लीग के लिए सीधे गुजरात टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात के पास पहले से ओपनर के तौर पर क्रिस गेल जैसे दिग्गज हैं। ऐसे में आगामी सीजन में धवन और गेल मिलकर लीजेंड्स लीग में धमाल मचा सकते हैं। धवन को विदेशी लीग में खेलने के लिए बीसीसीआई की शर्त के अनुसार टीम इंडिया और आईपीएल से संन्यास लेना था, धवन इससे पीछे नहीं हटे। अब दर्शकों को उनका खेल लीजेंड्स लीग में देखने को मिलेगा। लीग की शुरूआत 20 सितंबर से होनी है।

गुजरात टीम का हिस्सा बने धवन

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के तीसरे सीजन के लिए दिल्ली में ऑक्शन करवाई गई थी जिसमें ब्रेट ली, आरोन फिंच और तिलकरत्ने दिलशान जैसे सितारे भी अनसोल्ड रह गए थे। फैंस को उम्मीद थी कि ऑक्शन के दौरान शिखर धवन पर बड़ी बोली लगेगी लेकिन उनका नाम लिस्ट में आया ही नहीं। तभी खबर आई कि गुजरात ने धवन को सीधा साइन कर लिया है। गुजरात में लेंडल सिमंस भी हैं जोकि बल्ले से खूब धमाल मचाते हैं। गुजरात पहले ही क्रिस गेल को आरटीएम का इस्तेमाल कर सुरक्षित कर चुका है। सिमंस को फ्रेंचाइजी ने ऑक्शन में 37.56 लाख में खरीदा। गुजरात के पास मोहम्मद कैफ और एस श्रीसंत जैसे सितारे भी हैं।

गुजरात जायंट्स का स्क्वाड

शिखर धवन, क्रिस गेल, लियाम प्लंकेट, मोर्ने वान विक, लेंडल सिमंस, असगर अफगान, जेरोम टेलर, पारस खडका, सीकुगे प्रसन्ना, कमाउ लेवरॉक, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, मोहम्मद कैफ, एस श्रीसंत

लीजेंड्स लीग की 3 सबसे महंगी खरीदारी

इसुरु उदानाः अर्बनाइजर्स हैदराबाद को 61.97 लाख

चैडविक वाल्टनः अर्बनाइजर्स हैदराबाद को 60.36 लाख

डैन क्रिश्चियन : मणिपाल टाइगर्स को 56 लाख

बता दें कि शिखर धवन के अलावा दिनेश कार्तिक भी इस बार लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 में खेलते हुए नजर आएंगे। उन्होंने जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। कार्तिक ऽ20 के आगामी सीजन में पार्ल रॉयल्स द्वारा साइन किए गए हैं। कार्तिक को साउथर्न सुपरस्टार्स ने साइन किया है।

विम्बलडन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विम्बलडन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में एलेना गैब्रियेला रूसे से 4.6, 5.7 से हारकर बाहर हो गई। आठवीं वरीयता प्राप्त क्रेसिकोवा ने पेरिस ओलंपिक के बाद कोई मैच नहीं खेला था। रूसे का सामना अब 26वीं वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा से होगा जिन्होंने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6.3, 7.5 से मात दी। किसी महिला खिलाड़ी ने 2012 में सेरेना विलियम्स के बाद एक ही साल में विम्बलडन और अमेरिकी ओपन खिताब नहीं जीते हैं।

पुरूष वर्ग में फ्रांसिस टियाफो ने 32 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच अलेक्जेंडर शेवचेंको के खिलाफ पहले दो सेट जीत लिए लेकिन तीसरे सेट के पहले गेम में शेवचेंको ने कोर्ट छोड़ दिया। वहीं 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने रॉबर्टो बतिस्ता एगुट को 6.3, 6.4, 6.4 से हराया। अब उनका सामना टियाफो से होगा जिन्हें पिछले साल उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हराया था।

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने मातेओ बेरेतिनी को 6.3, 7.6, 6.1 से मात दी जबकि ब्रेंडन नाकाशिमा ने आर्थर काजाक्स को हराया और अब उनका सामना 18वीं वरीयता प्राप्त लोजेंजो मुसेत्ती से होगा। जिरि लेहेका ने मिचेल क्रूगर को 6.7, 0.6, 6.4, 6.4, 7.5 से हराया। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा जिन्होंने आर्थर रिंडरनेश को 4.6, 5.7, 6.1, 6.2, 6.2 से हराया।

महिला वर्ग में गत चैम्पियन कोको गाफ टी मारिया को 6.4, 6.0 से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गई। अब उनका सामना 27वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना से होगा। अमेरिका की मेडिसन कीस ने माया जोइंट को 6.4, 6.0 से मात दी। अब उनका सामना एलिसे मर्टेंस से होगा जिन्होंने एला टोमजानोविच को 6.3, 6.2 से हराया।

रोहित , विराट एक बार पाक का दौरा करें : कामरान अकमल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के काफी प्रशंसक उनके यहां भी हैं। इसलिए रोहित और विराट को संन्यास से पहले एक बार पाक का दौरा जरुर करना चाहिये। अकमल ने कहा कि भले ही दोनों ने टी20 से संन्यास ले लिया है पर टेस्ट और एक दिवसीय प्रारुप में ये खेल सकते हैं। पाक क्रिकेटर ने कहा कि ये दोनो ही आज खेल के सबसे बड़े सितारे हैं और प्रशंसक भी इन्हें बेहद चाहते हैं। साथ ही कहा कि पाक में उन्हें जो फैन फॉलोइंग मिलेगी, वह सबसे अधिक रहेगी। अकमल ने कहा कि इन दोनो के अलावा जसप्रीत बुमराह को भी पाक में बेहद पसंद किया जाता है। बुमराह ने हालांकि आज तक पाक का दौरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विराट एक रोल मॉडल हैं, रोहित विश्व कप विजेता कप्तान हैं और बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। जब ये तीनों पाकिस्तान का दौरा करेंगे तो इससे देश के प्रशंसकों को विशेष अहसास होगा। साथ ही कहा कि जब विराट अपने अंडर-19 दिनों के दौरान पाकिस्तान में खेलते थे तो तब वह कोई जाना-पहचाना नाम नहीं थे पर अगर अब विराट आते हैं, तो वह यहां अपनी लोकप्रियता देख हैरान हो जाएंगे। पाकिस्तान में उन्हें काफी समर्थन मिलेगा। वह पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर हैं। उनकी फैन फॉलोइंग किसी भी अन्य क्रिकेटर से ज्यादा है।

टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगे सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब तक टेस्ट प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सूर्यकुमार टी20 के नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं पर इसके बाद भी अब तक लंबे प्रारुप में सफल नहीं रहे हैं। इसी कारण वह अब तक एक ही टेस्ट खेल पाये हैं। अब सूर्यकुमार का इरादा बुची बाबू टूर्नामेंट और दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम अगले कुछ महीनों में 10 टेस्ट मैच खेलेगी। सूर्यकुमार ने भारतीय टीम की ओर से फरवरी 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल एक टेस्ट खेला था। उनके लिए जगह पाना इतना आसन नहीं है क्योंकि उनका मुकाबला श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, केएल राहुल और रजत पाटीदार से रहेगा। ये सब भी टेस्ट टीम में वापसी के प्रयासों में लगे हैं। सूर्यकुमार ने से कहा कि ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने अपनी जगह पाने के लिए कड़ी मेहनत की है और मैं भी वह जगह दोबारा हासिल करना चाहता हूं। मैं टेस्ट में पदार्पण के बाद चोटिल होने के कारण बाहर हो गया था। तब ऐसे बहुत से लोग थे जिन्हें अवस मिला और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन कर अपनी जगह पक्की कर ली। म

सूर्यकुमार अभी मेरा ध्यान बुची बाबू टूर्नामेंट और दलीप ट्रॉफी में प्रदर्शन पर लगा है। इसके बाद ही आगे क्या होता है ये देखा जाएगा पर मैं टेस्ट खेलने के लिए उत्साहित हूं। आने वाले दिनों में 10 टेस्ट मैच होने वाले हैं और मैं स्पष्ट रूप से इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं। सूर्यकुमार ने अब तक 82 प्रथम श्रेणी मैचों में 43.62 की औसत के साथ 5,628 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक भी शामिल हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि लाल गेंद क्रिकेट हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है। सबसे लंबे प्रारूप को मैं पसंद करता क्योंकि

यहीं से मेरी शुरुआत हुई थी।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को बनाये रखने के पक्ष में हैं अश्विन

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जहां रोहित शर्मा सहित कई क्रिकेटर इम्पैक्ट प्लेयर नियम के खिलाफ हैं और इस नियम को हटाने की मांग कर चुके हैं। वहीं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन इस नीयम के पक्ष में हैं जबकि रोहित ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को घातक बताया था। अश्विन ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि इम्पैक्ट प्लेयर खराब नियम है क्योंकि इससे रणनिति बनाने का अतिरिक्त अवसर मिलता है। ये लगता है कि इससे ऑलराउंडर्स के अवसर कम होते हैं पर वास्तव में ऐसा नहीं हैं। बेहतर ऑलराउंडरों की हमेशा ही टीम को जरुरत रहती है। 'इस स्पिनर ने कहा, 'इस पीढ़ी में वे ऐसा नहीं कर सकते। ऐसा नहीं है कि उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के चलते बाहर किया जा रहा है। युवा वेंकटेश अय्यर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे। वह आजकल काउंटीम में लंकाशर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कहा कि खेल में नये विचारों के लिए हमेशा जगह होती है और इससे वह बेहतर ही होता है।' अश्विन ने कहा कि आईपीएल 2024 क्वालिफायर 2 में भी इम्पैक्ट प्लेयर ने खेल बदल दिया था। तब राजस्थान रॉयल्स ने 175 रन बनाने के बाद शाहबाज नदीम को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में टीम में शामिल किया। नदीम ने मैच में 3 विकेट लिए और अपनी टीम को जीत दिला दी।

सुकांत कदम और सुहास यतिराज ने जीते अपने शुरुआती मुकाबले

पेरिस। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम और सुहास यतिराज ने गुरुवार को पुरुष एकल के शुरुआती मुकाबलों में जीत दर्ज की है। सुकांत कदम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया के अमीन बुरहानुद्दीन को 2-1 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में सुहास यतिराज ने इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी पर 2-0 से जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये मुकाबले में सुकांत कदम ने मलेशिया के अमीन बुरहानुद्दीन पर 17-21, 21-15, 22-20 से जीत दर्ज की। कदम ने पहले गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व के नंबर चार खिलाड़ी अमीन को दूसरे और तीसरे गेम में हराकर मुकाबला अपने नाम किया। 41 वर्षीय सुहास यतिराज ने विश्व के नंबर 8 खिलाड़ी इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी को एकतरफा मुकाबले में 21-7, 21-5 से हराया। सुहास का अगला मुकाबला कोरियाई खिलाड़ी के साथ शुक्रवार को होगा।

आईसीसी चेयरमैन के तौर पर जय शाह को कितनी राशि मिलेगी ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह को आईसीसी का अगला चेयरमैन नियुक्त किया गया है। जय शाह दिसंबर से अपना पद संभालेंगे। वह आईसीसी प्रमुख ग्रेग बार्कले की जगह लेंगे। ऐसे में एक सवाल प्रशंसकों के मन में उठ रहा है कि आंखिर शाह को इसके लिए कितनी राशि मिलेगी। आईसीसी में उन्हें कितनी राशि मिलेगी ये अभी कहा नहीं जा सकता है पर ये तय है कि उन्हें यहां भी बीसीसीआई की तरह ही दैनिक भत्ते दिये जाएंगे। बीसीसीआई सचिव के तौर पर जय शाह को अलग से कोई राशि नहीं मिलती है। उन्हें खिलाड़ियों की तरह ही दैनिक भत्ते दिये जाते हैं। इसका कारण है कि बीसीसीआई अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव मानद पद हैं। ऐसे में इन पदों के लिए कोई निश्चित मासिक या वार्षिक वेतन नहीं मिलता है। शाह को अंतरराष्ट्रीय बैठकों में भाग लेने या भारतीय क्रिकेट से संबंधित विदेशी दौरों में भाग लेने के लिए 82 हजार रुपए भत्ते के तौर पर दिये जाते हैं। वहीं घरेलू बैठकों में भाग लेने पर, उन्हें विमान के बिजनेस क्लास के टिकट के साथ-साथ 40 हजार का दैनिक भत्ता दिया जाता है। इसके अतिरिक्त देश के अंदर कामकाज के लिए यात्रा के लिए प्रति दिन 30 हजार रुपए मिलते हैं।

भारत दौरे से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को मिला नया गेंदबाजी कोच, कीवी टीम के लिए खेले हैं 229 मैच

वेलिंग्टन (एजेंसी)। भारत दौरे से पहले न्यूजीलैंड ने पूर्व ऑलराउंडर जैकब ओरम को पुरुष टीम का गेंदबाजी कोच बनाया है वह सात अक्टूबर को अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। अपनी नियुक्ति पर ओरम ने कहा, 'मैं ब्लैककैप्स के साथ फिर से जुड़ने का अवसर पाकर वास्तव में उत्साहित हूं।' उन्होंने कहा, 'एक ऐसी टीम के साथ फिर से जुड़ना जो मेरे लिए बहुत मायने रखती है और मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रही है, वास्तव में सम्मान की बात है।'

उन्होंने कहा, 'हाल ही में मुझे जो अवसर मिले हैं, उनसे मुझे इस बात का अंदाजा हुआ है कि यह टीम कहां जा रही है और मैं आने वाले सत्रों में उस पर काम जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। ब्लैककैप्स की गेंदबाजी में प्रतिभा की एक नई लहर आ रही है और मुझे उम्मीद है कि मैं उनके साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए बेहतरीन तरीके से तैयार करने में मदद करने के लिए अपना ज्ञान और अनुभव साझा कर सकता हूं।'

उल्लेखनीय है ओरम ने वर्ष 2014 में न्यूजीलैंडए के साथ अपने कोचिंग करियर की शुरुआत की और फिर 2018 से न्यूजीलैंड महिला टीम के साथ गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया। पिछली गर्मियों में उन्हें सेंट्रल हिंड्स का मुख्य कोच बनाया गया था और टीम सुपर स्मैश फाइनल में पहुंची थी।

ओरम अबू धाबी टी-10 में सहायक कोच और एसए-20 में एमआई केप टाउन के गेंदबाजी कोच भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में कीवी टीम के लिए कुल 229 मुकाबले खेले हैं। उन्होंने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में छह शतक और 21 अर्धशतकों के साथ कुल 4688 रन बनाये है। वहीं गेंदबाजी में 252 विकेट चटकाए हैं।

आईपीएल के नये सत्र में बदलावों के साथ नजर आ सकती है सीएसके

चेन्नई (ईएमएस) । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से आईपीएल के अगले सत्र में बदली बदली सी नजर आयेगी। इसमे अनुभवी आजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर शायद ही नजर आयें। इस बार होने वाली नीलामी में इन्हें रिटेन (बरकरार) रखे जाने की संभावना नहीं है। इसके अलावा मुस्तफिजुर रहमान, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, शेख रशीद, मिटेस सैंटनर जैसे खिलाड़ियों को भी शायद ही रखा जाये। कहा जा रहा है कि इस बार टीम पहले के 6 खिलाड़ियों को बनाये रखेगी। सीएसके के पास अभी 25 खिलाड़ी हैं इसमें विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 8 है। वहीं देश के ही 17 खिलाड़ी हैं। इसमें अनकैप्ड और अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी इस साल के अंत में दिसंबर महीने में होगी तभी साफ होगा कि किसे टीम में जगह मिलती है किसे नहीं। आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की मांग टीमें कर रही हैं, ऐसे में अगर बीसीसीआई खिलाड़ियों को रिटेन करने की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 करता है तो सीएसके 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। सीएसके के पास मौजूदा अभी 25 खिलाड़ी हैं। अगले सत्र के लिए सीएके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा रविंद्र जडेजा और शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, डेवोन कॉनवे को बनाये रख सकती है। वहीं अगर महेन्द्र सिंह धोनी संन्यास की घोषणा नहीं करते तो उनहें भी टीम में रख जाना तय है। कर रहे हैं। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के बाद सीएसके की टीम पूरी तरह से बदली हुई नजर आएगी। सीएसके ऋतुराज, धोनी, जडेजा, शिवम दुबे, डेवोन कॉन्वे और पथिराना जैसे खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी के हौंसला बढ़ाने से सर्वश्रेष्ठ पदर्शन की मिलती है प्रेरणा : मनु

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है कि 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उसका भविष्य उज्जवल है और ये बात सही निकली। मनु ने कहा कि प्रधानमंत्री पदक विजेताओं को सम्मान करने के दौरान उनका हौंसला भी बढ़ते रहते हैं जिससे खिलाड़ियों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मनु ने खेल दिवस पर पुरानी बातों को याद कर कहा, तब प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे कहा, तुम बहुत युवा हो। तुम इससे भी बड़ी सफलता हासिल करोगी और जब भी तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तुम मुझसे संपर्क करना। उनके यह शब्द मेरे लिए प्रेरणा बन गये। न केवल सफलता के अवसरों पर बल्कि असफलता के दौर में भी प्रधानमंत्री साथ दिया। जब टोक्यो ओलंपिक में कुछ तकनीकी खराबी के कारण मनु पदक नहीं जीत पायीं थीं जब प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बात की। मनु ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझे आत्मविश्वास से भरे रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उनकी यह खासियत है कि वह प्रत्येक खिलाड़ी के बारे में हर बात पर नजरें बनाये रखते हैं। प्रधानमंत्री परिणाम की परवाह किए बिना हर एथलीट को प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मनु ने जब पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना पहला पदक जीता था तभी प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे फोन पर बात की और उन्हें बधाई दी। इसके बाद मनु ने सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल में भी दूसरा कांस्य जीता था।

हार्ट प्रॉब्लम की वजह से लगा बैन, अब देश के सबसे महंगे फुटबॉलर बने

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। अनवर अली को हाल ही में ईस्ट बंगाल ने इंडियन फुटबॉल लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन के लिए 4.80 करोड़ रु. में साइन किया है और इसी के साथ ही वह देश के सबसे महंगे फुटबॉलर बन गए है। इससे पहले वह मोहन बागान का हिस्सा थे, जहां उनका पैकेज 2.40 करोड़ का था।

रेलवे क्रॉस्टिंग के पास शेड में रहता था परिवार

जालंधर के आदमपुर के रहने वाले अनवर अली के लिए यह सफर आसान नहीं था। रेलवे क्रॉस्टिंग के पास शेड में परिवार रहता था। पिता मजदूरी करने सऊदी अरब चले गए थे, मां दूसरे के खेतों में काम करती थी। फुटबॉल ने गुरबत कुछ दूर की, अली का नाम बेहतरीन सेंटर बबैक्स में होने लगा तो एक मेडिकल कंडीशन ने रास्ते रोक दिए। 19 साल की उम्र में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने अली को कोच बनने का ऑफर दे दिया।

दिल की मेडिकल कंडीशन की वजह से खेलने पर रोक

दरअसल दिल की मेडिकल कंडीशन की वजह से एआईएफएफ ने खेलने पर रोक लगा दी थी। 2019-20 का साल अली ने फुटबॉल की मैदान पर कम और कोर्ट में ज्यादा गुजारा, खेलने का एक मौका मांगने के लिए। कोर्ट में जीते भी। मैदान पर संघर्ष दोबारा शुरू हुआ। इंटरनेशनल खेल चुके अली ने 2020 में जूनियर लेवल से बापसी की।

2019 में मुंबई सिटी ने साइन किया तो हर खिलाड़ी की तरह अली का भी मेडिकल टेस्ट हुआ। इसमें सामने आया कि अली के दिल का निचला हिस्सा फैटी है। मुंबई सिटी ने यह रिपोर्ट एआईएफएफ को भेजी और कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया। हालांकि वर्ष 2020 में मोहमडून एससी अली को खिलाने को तैयार था, साइन भी कर लिया। लेकिन एआईएफएफ ने यहां भी अड़ेगा लगाया और कहा कि अली को नहीं खिला सकते।

मेंटर रंजीत बजाज ने अपने हाथों में लिया केस

अली के मामले को मेंटर रंजीत बजाज ने अपने हाथों में लिया और मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक गया। हाईकोर्ट में यूके की फुटबॉल प्रीमियर लीग के हेड कार्डियोलॉजिस्ट संजय शर्मा ने बताया- हायपरट्रॉफिक कार्डियक्रमायोपैथी कोई बीमारी नहीं है, कम उम्र में जब कोई खेलना शुरू करता है तो दिल के निचले हिस्से में ऐसे मसल्स डेवलप हो जाते हैं। इससे खिलाड़ी की जान को खतरा नहीं होता। यूके में 40 फीसदी फुटबॉलर्स की ऐसी स्थिति होती है।

वो तब मेरे साथ खड़े थे, जब कोई नहीं था

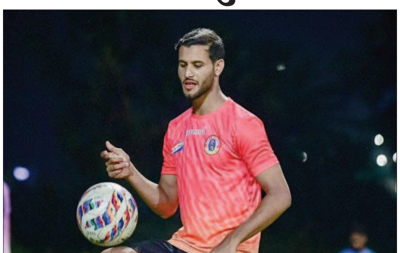

मैं भगवान के साथ अपने कोच के करीब हूं। उन्हीं की बदौलत में यहां तक पहुंचा हूं। रंजीत बजाज सर और मिनर्वा एकेडमी ने मुझे बहुत सपोर्ट किया है। वो तब मेरे साथ खड़े थे, जब कोई नहीं था। खुशी है कि मैं आज उन्हें सही साबित कर पाया।

मार्क वुड की जगह इस खिलाड़ी की इंग्लैंड टेस्ट टीम में वापसी, तीन साल बाद मिला मौका

नई दिल्ली ~ इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली स्टोन ने कहा कि वह लॉर्ड्स %ए% मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट में वापसी के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं, जहां उन्होंने इस प्रारूप में पदार्पण किया था। स्टोन ने तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह ली है जो मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले टेस्ट के तीसरे दिन दाहिनी जांघ में खिंचाव के बाद श्रीलंका के खिलाफ शेष दो मैचों से बाहर हो गए थे। 30 वर्षीय स्टोन ने आखिरी बार जून 2021 में एजबेस्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच खेला था और इस प्रारूप में 19.40 की औसत और 3.25 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए हैं। स्टोन ने कहा, 'यह एक खास दिन था। इस मैदान पर खेलना वैसे भी खास है, लेकिन यहां अपना टेस्ट डेब्यू करना एक खास दिन था। इस हफ्ते वापस आकर वही करना शानदार होगा। किसी भी फॉर्मेट में इंग्लैंड की जर्सी पहनना खास है। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करना, इससे बेहतर कुछ नहीं है और यही वजह है कि इसने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं तैयार महसूस करता हूं। उम्मीद है कि मैं वहां जाकर वैसा प्रदर्शन कर पाऊंगा जैसा मैं जानता हूं।'

पीएम जनमन के तहत मांडवी तालुका के वलारगढ़ ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर से 24 लोग लाभान्वित हुए

सूरत। पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान) के तहत आदिवासी समूह के लोगों को योजना का लाभ देने के लिए केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय द्वारा अभियान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, इसलिए शिविर में 24 लोगों को लाभान्वित किया गया मांडवी तालुका में वलारगढ़ ग्राम पंचायत। जिसमें 14 लोगों को आधार कार्ड, 4 को राशन कार्ड, 4 को बुजुर्ग सहायता तथा 2 लोगों को फर्म के नाम से लाभान्वित किया गया। 30 को मांडवी तालुका में फुलवाड़ी, 31 को सलैया, 2 सितंबर। 3 को ऊन, 3 को जूना कांकरापार, 4 को गोड्डा, 5 को विसडालिया, 6 को वारेथ, 9 को जुनवां गांव में शिविर लगेंगे, जिनका भरपूर लाभ उठाने का अनुरोध किया गया है।

बिजनेस नेटवर्किंग संस्था कॉरपोरेट कनेक्शन द्वारा मनाई गई चैप्टर 2 की तीसरी वर्षगांठ मनाई

सुरत भुमि, सूरत।

व्यवसायियों को मंच प्रदान करने वाली बिजनेस नेटवर्किंग संस्था कॉरपोरेट कनेक्शन ने अपने चैप्टर 2 की तीसरी वर्षगांठ भव्य तरीके से मनाई। इस अवसर पर देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी विशेष रूप से सेलिब्रिटी वक्ता के रूप में उपस्थित थीं और उन्होंने सभी को अपना, अपने व्यवसाय का और देश का विकास कैसे करें, इस पर उत्कृष्ट मार्गदर्शन दिया।

कॉरपोरेट कनेक्शन चैप्टर 2 के अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि संगठन बिजनेस लीडरों के लिए एक-दूसरे को अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद करने का एक मंच है। वर्तमान में, कॉर्पोरेट कनेक्शंस के 4 चैप्टर हैं, जिनमें सूरत में 98 सदस्य और भारत के 22 राज्यों में 600 से अधिक सदस्य हैं। सदस्य नेटवर्किंग के माध्यम से अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते हैं। कॉरपोरेट कनेक्शन के चैप्टर 2 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक भव्य उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी को सूरत में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश की असली ताकत युवा हैं. यदि हमें देश को मजबूत और विकसित बनाना है तो हमें युवाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें प्रोत्साहित करना होगा। सूरत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सूरत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है। सूरत में ये क्षमता है कि अकेले सूरत देश की पांच ट्रिलियन की आर्थिक ताकत में अहम योगदान दे सकता है। उन्होंने कॉर्पोरेट कनेक्शन के माध्यम से साझा प्रयास के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इस बिजनेस नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म की सराहना की और अधिक से अधिक व्यापारियों को इस संगठन में शामिल होने और विश्व स्तर पर अपने व्यवसाय को विकसित करने की कामना की।

वडोदरा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सूरत से पहुंची अग्निशमन टीम

सूरत।

पूरे गुजरात में भारी बारिश से हालात पैदा हो गए हैं. वडोदरा में पिछले 48 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण वडोदरा शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है. कल 28 तारीख की रात, सूरत नगर निगम के अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग की तीन बचाव टीमें अग्निशमन अधिकारी श्री ईश्वर पटेल के मार्गदर्शन में वडोदरा शहर के अंकोटा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचीं।

वडोदरा के अकोटा इलाके के एम्पायर डिविजन-1 में विश्वामित्री नदी उफान पर है. जहां सूरत अग्निशमन विभाग को सूचना मिली कि नदी के पानी के तेज बहाव के कारण एक घर में 2 महिलाएं और एक पुरुष समेत दो लड़कियां 4 दिनों से फंसी हुई हैं. तो आधी रात 03:00 बजे सूरत फायर डिपार्टमेंट की टीम ने उसे रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला.

वडोदरा के अकोटा गेस्ट हाउस के पास, वडोदरा नगर निगम दिवस। आयुक्त अर्पिताबेन के अनुसार, अकोटा ने गेस्ट हाउस से भोजन के पैकेट लिए और मांजलपुर, निर्माण विहार फ्लैट, विश्वामित्री टाउनशिप, प्रमुचस्वामी कॉटेज, विश्वामित्री टाउनशिप क्षेत्र में 450 से अधिक भोजन के पैकेट और पानी की बोतलें वितरित कीं।

गुजरात के लोगों को पारंपरिक तम्बाकू और सुपारी से बने पान मसाला और गुटखा से होने वाले रोगों से बचाने की सबसे बड़ी पहल

सुरत भुमि, सूरत। स्वास्थ्य एवं सेहत समाधान उद्योग में अग्रणी संगठन, आयुष वैलनेस लिमिटेड, पूर्व में आयुष फूड एंड हर्ब्स लिमिटेड ने तम्बाकू और सुपारी से बने पान मसाला और गुटखा से होने वाले रोगों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक बड़ा कदम उठाया है। अपने देश में निर्मित यह इनोवेशन किफायती एवं "तम्बाकू और सुपारी-फ्री" है। इसे खाने के बाद न तो पीक को थूकने की जरूरत होती है, और न ही इसकी लत पड़ सकती है।

पान मसाला की परिचित सुगंध और स्वाद के साथ यह हर्बल पान मसाला लोगों को तम्बाकू से बने पान मसाला के पारंपरिक स्वाद व अनुभव से समझौता किए बिना बेहतर विकल्प तलाशने में समर्थ बनाने के लिए पेश किया गया है।

यह उत्पाद कंपनी के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पहले से ही उपलब्ध है और अब इसे वितरकों की मदद से देश के हर कोने में पहुँचाए जाने की योजना है।

इस हर्बल पान मसाले में शक्तिशाली आयुर्वेदिक तत्वों का मिश्रण है, जो तम्बाकू की तलब को कम करते हैं, और अपने अनेक फायदों के साथ दैनिक स्वास्थ्य में सुधार लाते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक पारंपरिक तम्बाकू और सुपारी से बने पान मसाला और गुटखा का आयुर्वेदिक विकल्प है।

आयुष "तम्बाकू और सुपारी-फ्री" नैचुरल पान मसाला पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधियों और मसालों से बना है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। यह पारंपरिक पान मसाला से अलग है, जिसमें तम्बाकू, निकोटीन, सुपारी जैसे नुकसानदायक तत्व होते हैं। तम्बाकू-फ्री हर्बल पान मसाला में ऐसा कोई भी नुकसानदायक तत्व नहीं है। इसके मुख्य तत्वों में इमली के बीज, कौंच बीज, आमला, केसर, अश्वगंधा, छोटी इलायची, बड़ी इलायची के बीज, हल्दी, मुलेठी, पुदीना और खरबूजे के बीज आदि शामिल हैं।

आयुष वैलनेस लिमिटेड का तम्बाकू-फ्री नैचुरल पान मसाला प्राकृतिक उत्पादों की मदद से स्वास्थ्य एवं सेहत में सुधार लाने के इसके मिशन का हिस्सा है। कंपनी यह सेहतमंद विकल्प प्रदान करके लोगों को पारंपरिक रूप से तम्बाकू से बने पान मसाला के स्वाद व अनुभव से समझौता किए बिना बेहतर उत्पाद का सेवन करने में मदद करना चाहती है।

आयुष वैलनेस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री नवीन कुमार ने कहा, "हमने यह उत्पाद ऑनलाईन लॉन्च किया था, जिसके लिए हमें कई राज्यों से बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इस उत्पाद के लिए कई लोग हमसे पूछताछ कर रहे हैं, और हमें यह उत्पाद रिटेल बाजार में उपलब्ध कराने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।"

हुमन मिल्क डोनेशन कैम्प का आयोजन रविवार को

सुरत भुमि, सूरत। रोटरी क्लब ऑफ सूरत सी फ़ेस द्वारा हुमन मिल्क डोनेशन कैम्प का आयोजन रविवार को वेसू कैनाल रोड़ स्थित शान्तम हॉल में किया जाएगा। माँ का दूध बच्चों के लिए अमृत के समान होता है, इसीलिए इस कैम्प में बच्चों को स्तनपान करवाने वाली अनेकों महिलाएँ अपने दूध का दान देगी। कैंप में दूध का संकलन प्रोजेक्ट यशोदा ह्यूमन मिल्क बैंक, स्मीमेर अस्पताल द्वारा किया जाएगा। यह दूध को 6 महीने तक सुरक्षित रखकर ज़रूरतमन्द छोटे बच्चों को पिलाया जाएगा। कैम्प में सूरत पीडियाट्रिक एसोसिएशन ट्रस्ट एवं अनेकों महिला संघटनों का सहयोग रहेगा।

लीग ऑफ लीजेंड्स सीज़न 3 के लिए नीलामी के दौरान 200 लीजेंड्स नीलामी के लिए थे

नई दिल्ली। लीजेंड्स लीग क्रिकेट तीसरे संस्करण के लिए वापसी करने के लिए तैयार है और नीलामी आश्चर्य से भरी साबित हुई क्योंकि छह टीमों ने अपने 8 करोड़ के पर्स का अधिकतम मूल्य प्राप्त करने के लिए कड़ी टक्कर दी। दिनेश कार्तिक और शिखर धवन जैसे पूर्व भारतीय सितारे टूर्नामेंट में भाग लेने वाले कुछ सबसे बड़े नाम हैं और उन्हें संबंधित टीमों सदर्न सुपरस्टार्स और टीम गुजरात द्वारा सीधे साइन किया गया था।

नीलामी की शुरुआत धमाकेदार रही, एल्टन चिगुंबुरा को सदर्न ने 25 लाख रुपये में खरीदा, जिससे प्रतिस्पर्धी बोली की शुरुआत हुई। आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर समीउल्लाह शिनवारी को हैदराबाद ने 18.58 5 लाख रुपये में खरीदा, जो पावर हिटर में टीमों की दिलचस्पी को दर्शाता है। हालांकि, असली आकर्षण ड्वेन स्मिथ रहे, जिनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने उन्हें कैपिटल्स ने 47.36 लाख रुपये में खरीदा, जिससे क्रिकेट की दुनिया में उनकी स्थायी अपील का पता चलता है।

नीलामी सिर्फ़ बड़े नामों के बारे में नहीं थी; इसने यह भी उजागर किया कि टीमें ऑलराउंडर और यूटिलिटी खिलाड़ियों को कितना महत्व देती हैं। इस तरह की विविध प्रतिभाओं की मौजूदगी एलएलसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो एक ऐसा मंच प्रदान करती है जहाँ कौशल, अनुभव और मनोरंजन मूल्य को समान रूप से सराहा जाता है।

कोणार्क सूर्य ओडिशा:

इरफान पठान (आरटीएम), यूसुफ पठान (आरटीएम), केविन ओब्रायन (29.17 लाख), रॉस टेलर (50.34 लाख), विनय कुमार (33 लाख), रिचर्ड लेवी (16.78 लाख), दिशा मुनावीरा (15.5 लाख), शाहबाज नदीम (35 लाख), फिदेल एडवर्ड्स (29.36 लाख), अंबाती रायडू (आइकॉन), नवीन स्टीवर्ट (सीधे हस्ताक्षर)

गुजरात टीम:

क्रिस गेल (आरटीएम), लियाम प्लंकेट (41.56 लाख), मोर्ने वान विक (29.29 लाख), लेंडल सिमंस (37.56 लाख), असगर अफगान (33.17 लाख), जेरोम टेलर (36.17 लाख), पारस खड़का (12.58 लाख), सिकुगे प्रसन्ना (22.78 लाख), कमाउ लेवरॉक (10.89 लाख), साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट (15.08 लाख), मोहम्मद कैफ (आइकॉन), एस. श्रीसंत (आइकन), शिखर धवन (प्रत्यक्ष हस्ताक्षर)

इंडियन केपिटल: एशले नर्स (आरटीएम), बेन डंक (आरटीएम), ड्वेन स्मिथ (47.36 लाख), कॉलिन डी ग्रैंडहोम (32.36 लाख), नमन ओझा (40 लाख), धवल कुलकर्णी (50 लाख), क्रिस एमपोफू (39.78 लाख), मुरली विजय (आइकन), इयान बेल (प्रत्यक्ष हस्ताक्षर)

साउथर्न सुपरस्टार:

अब्दुर रजाक (आरटीएम), एल्टन चिगुंबुरा (24.97 लाख), हैमिल्टन मसाकाद्जा (23.28 लाख), पवन नेगी (40 लाख), जीवन मेंडिस (15.6 लाख), सुरंगा लकमल (33.78 लाख), श्रीवत्स गोस्वामी (17 लाख), हामिद हसन (20.9 लाख), नाथन कूल्टर-नाइल (41.9 लाख), केदार जाधव (आइकन), पार्थिव पटेल (आइकन), दिनेश कार्तिक (प्रत्यक्ष हस्ताक्षर)।

मणिपाल टाइगर्स:

हरभजन सिंह (आरटीएम), रॉबिन उथप्पा (आरटीएम), थिसारा परेरा (आरटीएम), शेल्डन कॉटरेल (33.56 लाख), डैन क्रिश्चियन (55.95 लाख), एंजेलो परेरा (42.17 लाख), मनोज तिवारी (15 लाख), सोलोमन मिर्रे (38) लाख), असाले गुणरथने (35.89 लाख), अनुरीत सिंह (27 लाख), सौरभ तिवारी (प्रत्यक्ष हस्ताक्षर)

अरबनाइज़र्स हैदराबाद:

सुरेश रैना (आरटीएम), गुरकीरत सिंह मान (आरटीएम), पीटर ट्रेगो (आरटीएम), समीउल्लाह शिनवारी (18.5 लाख), जॉर्ज वर्कर (15.5 लाख), इसुरु उदाना (61.97 लाख), रिकी क्लार्क (37.75 लाख), स्टुअर्ट बिन्नी (40 लाख) जसकरण मल्होत्रा (10.4 लाख), चैडविक वाल्टन (60.3 लाख), बिपुल शर्मा (17 लाख)

सन मोबिलिटी ने वीरा वाहन के साथ भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए भारत की पहली मॉड्युलर स्वैपिंग टेक्नोलॉजी पेश की

बैंगलुरू: इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं के अग्रणी प्रदाता, सन मोबिलिटी ने आज हैवी इलेक्ट्रिक वाहनों (एचईवी) के लिए दुनिया की पहली बैटरी स्वैपिंग टेक्नोलॉजी पेश की। कंपनी ने बैंगलोर स्थित अग्रणी बस निर्माता, वीरा वाहन के साथ साझेदारी में इंटरसिटी और ग्रामीण मार्गों के लिए भारत की पहली 10.5 मीटर बैटरी स्वैपेबल बसें लॉन्च की हैं। यह लॉन्च बस एंड कार ऑपरेटर्स कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीओसीआई) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, प्रवास 4.0 में किया गया। वीरा वाहन के सभी वाहनों में इसी तकनीक का उपयोग होगा।

उत्सर्जन में कमी लाने, हवा की गुणवत्ता सुधारने, और परिवहन सेक्टर की एफिशियंसी बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक वाहनों की फ्लीट, खासकर हैवी वाहनों का इलेक्ट्रिफिकेशन किया जाना आवश्यक है। सन मोबिलिटी का प्रमाणित और परखा गया स्मार्ट बैटरी समाधान हल्के, मध्यम और भारी ट्रकों एवं बसों के लिए उपयुक्त है, जिनमें 3 टन से 55 टन तक के सकल वजन वाले वाहन (जीडब्लूवी) आते हैं।

बैटरी स्वैपिंग से बसों की अग्रिम लागत में 40 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे इसकी अग्रिम लागत पारंपरिक डीज़ल से चलने वाली बसों से मेल खाने लगेगी और फाईनेंस की आसान उपलब्धता से फ्लीट मालिकों को इलेक्ट्रिक बसें अपनाना आसान हो जाएगा। साथ ही, इससे फ्लीट मालिकों के लिए संचालन की लागत में 20 प्रतिशत तक की कमी आएगी, साथ ही बैटरी स्वैपिंग की प्रक्रिया केवल 3 मिनट में पूरी हो जाने से बसों का ज्यादा अपटाईम और ज्यादा उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। बैटरी के कॉम्पैक्ट और लाईट फॉर्म फैक्टर द्वारा ज्यादा पेलोड ले जाने की क्षमता प्राप्त होगी।

आज चल रहे वाहनों में लगभग 5 प्रतिशत वाहन बस और ट्रक हैं, लेकिन कार्बन उत्सर्जन के मामले में इनका योगदान 50 प्रतिशत है। वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट का 90 प्रतिशत हिस्सा निजी स्वामियों के पास है, जिन्हें सब्सिडी का लाभ नहीं मिलता है। इस सेगमेंट में बैटरी स्वैपिंग की मदद से इलेक्ट्रिक वाहन के अपनाए जाने में 30 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि हो सकेगी। इसलिए बैटरी स्वैपिंग भारी वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने का भारत का उद्देश्य पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अशोक अग्रवाल, सीईओ-एचईवी, सन मोबिलिटी ने कहा, "सन मोबिलिटी ने बस ऑपरेटर्स के लिए स्वामित्व की ऊँची लागत, भारी वाणिज्यिक वाहनों की फाईनेंसिंग अपर्याप्त होना, लंबी चार्जिंग अवधि के कारण लंबा डाउनटाईम, और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के भारी दबाव जैसी मुख्य बाधाओं को दूर करके भारी वाणिज्यिक वाहनों में नई जान फूंक दी है। वीरा वाहन के साथ हमारी साझेदारी एक महत्वपूर्ण पहल है क्योंकि हम भारत की पहली मॉड्युलर स्वैपिंग टेक्नोलॉजी पेश कर रहे हैं, जो ऑपरेटर्स को एक व्यवहारिक और किफायती समाधान प्रदान करेगी, जिससे उनकी एफिशियंसी बढ़ेगी और संचालन की लागत में कमी आएगी।"

के श्रीनिवास रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर, वीरा वाहन ने कहा, "भारत में सबसे तेजी से विकसित होते हुए बस निर्माताओं में से एक होने के नाते वीरा वाहन परिवहन में गुणवत्ता और इनोवेशन के नए मानक स्थापित कर रहा है। हमें बैटरी स्वैपिंग में विश्व की अग्रणी कंपनी के साथ साझेदारी करने और घरेलू इनोवेशन एवं इंजीनियरिंग क्षमता का उपयोग विश्वस्तरीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों के विकास के लिए करने पर गर्व है।"

अपने ग्राहकों के लिए चैनलों की संख्या बढ़ाते हुए, सैमसंग टीवी प्लस ने आज तक एचडी और द लल्लनटॉप को जोड़ा है

गुरुग्राम।

भारत में सैमसंग टीवी प्लस, जो विज्ञापन-समर्थित स्ट्रीमिंग टीवी (FAST) सेवा है, ने अपने चैनलों में आज तक एचडी और द लल्लनटॉप को जोड़ने की घोषणा की है। सैमसंग टीवी प्लस और टीवी टुडे नेटवर्क के बीच यह साझेदारी दर्शकों को बेहतरीन प्रोग्रामिंग देने और तेजी से बदलती दुनिया में उनकी जरूरतों को पूरा करने की सैमसंग की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

टीवी टुडे नेटवर्क का द लल्लनटॉप और आज तक एचडी का फास्ट चैनल दर्शकों को उनके घर की सबसे बड़ी स्क्रीन पर बेहतरीन और मुफ्त कंटेंट उपलब्ध कराएगा। जैसे-जैसे अधिक परिवार इंटरनेट से जुड़े स्मार्ट टीवी का चुनाव कर रहे हैं, वैसे-वैसे भारत में कनेक्टेड टीवी का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। सैमसंग टीवी प्लस इंडिया में पार्टनरशिप के प्रमुख कुणाल मेहता ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि सैमसंग टीवी प्लस प्लेटफॉर्म पर अपने दर्शकों और विज्ञापनदाताओं को बेहतरीन अनुभव और अधिक पहुंच प्रदान करें। आज तक एचडी और द लल्लनटॉप चैनलों के जुड़ने से दर्शक व्यापार, राजनीति, मनोरंजन और अन्य खबरों से आसानी से जुड़ पाएंगे। टीवी टुडे नेटवर्क के साथ यह साझेदारी हमारी इसी प्रतिबद्धता का उदाहरण है।"

टीवीटीएन में डिजिटल बिजनेस के सीईओ सलिल कुमार ने कहा, "सैमसंग टीवी प्लस इंडिया पर अपने दो नए फास्ट चैनल लॉन्च करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। यह साझेदारी हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इससे हम अपनी विविध और आकर्षक सामग्री को और भी ज्यादा दर्शकों तक पहुंचा सकते हैं। इनोवेटिव स्मार्ट टीवी प्लेटफॉर्म और कनेक्टेड टीवी दर्शकों के लिए कई विकल्पों के साथ, यह सहयोग हमें अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने और नई तकनीकों को अपनाने वाले लोगों तक पहुंचने में मदद करता है, जिससे हमारा कंटेंट अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुंच सके।"

सैमसंग टीवी प्लस पहले से ही पूरे भारत में लाखों यूजर्स को पूरी तरफ से फ्री 100 से अधिक फास्ट लाइव चैनल और हजारों ऑन-डिमांड फिल्में और टीवी शो का आनंद उठाने का मौका देता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)